Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 117
जयपुर, मंगलवार, 01 अक्टूबर 2024
पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी सुर्खियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

दिल्ली सीएम हाउस से आतिशी का सामान निकाला गया

पीडब्ल्यूडी ने कहा- केजरीवाल से घर की चाबियां लीं, हमें बिना बताए रहने आ गईं

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सीएम आवास को सील कर दिया गया। पीडब्ल्यूडी ने आवास से सीएम आतिशी का सामान निकालकर बाहर कर दिया है। दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 4 अक्टूबर को आवास खाली किया था। दो दिन पहले ही आतिशी इसमें रहने आई थीं। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी सुबह 11-11:30 बजे सीएम आवास आए थे। उनके मुताबिक, घर का हैंडओवर करने में नियमों का पालन नहीं किया गया था। आतिशी के पास इस घर की चाबियां थीं, लेकिन उन्हें घर अलॉट किए जाने के आधिकारिक दस्तावेज नहीं दिए गए थे। अधिकारियों ने दोपहर तक घर की चाबियां ले लीं। इसे लेकर सीएम ऑफिस ने कहा, 'इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को उसका घर खाली करने को कहा गया है। एलजी ने भाजपा के कहने पर जबरदस्ती सीएम आतिशी का सामान घर से बाहर निकाला। ये सीएम आवास किसी बड़े भाजपा नेता को दिए जाने की तैयारी की जा रही है। भाजपा 27 साल से दिल्ली में सरकार से बाहर है, अब वह सीएम आवास हथियाना चाहती है। पीडब्ल्यूडी ने 6 अक्टूबर को सीएम ऑफिस को एक लेटर लिखकर कहा था कि केजरीवाल ने घर खाली करते समय जो चाबियां दी थीं, वे कुछ समय बाद वापस ले ली गईं। पीडब्ल्यूडी ने घर का अलॉटमेंट करने के लिए चाबियां दिए जाने की बात कही।

स्पेशल सेक्रेटरी समेत तीन अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस भेजा

विजिलेंस विभाग ने तीन अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस भेजा डायरेक्टर ऑफ विजिलेंस ने केजरीवाल के स्पेशल सेक्रेटरी समेत तीन अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस भेजा है। दो अन्य अधिकारी वे हैं जो केजरीवाल के सीएम रहते समय सीएम कैंप ऑफिस में तैनात थे। उनसे पूछा गया है कि साफ निर्देश दिए जाने के बाद भी उन्होंने सीएम आवास की चाबियां पीडब्लयूडी को क्यों नहीं सौंपीं। इन अधिकारियों को सात दिन के अंदर जवाब दाखिल करने को कहा गया है। भाजपा का आरोप- केजरीवाल के शीश महल में कई राज छुपे दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस मामले पर कहा, 'अरविंद केजरीवाल का 'शीश महल' आखिरकार सील कर दिया गया है... उस बंगले में ऐसे कौन से राज छुपे हैं कि संबंधित विभाग को चाबी सौंपे बिना, आप फिर से बंगले में घुसने की कोशिश कर रहे थे? उन्होंने आगे कहा- 'आपने दो छोटे ट्रकों में अपना सामान ले जाकर अच्छा ड्रामा किया।

माता-पिता के साथ नए बंगले में शिफ्ट हुए केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल 4 अक्टूबर की दोपहर लुटियंस दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर बंगला नंबर-5 में शिफ्ट हो गए। यह बंगला पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को दिया गया है। केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल, माता-पिता और दोनों बच्चों के साथ शिफ्ट हुए हैं। अशोक मित्तल और उनकी पत्नी ने सभी का अपने घर में स्वागत किया। मित्तल ने न्यूज एजेंसी से कहा कि केजरीवाल गेस्ट के तौर पर मेरे घर में शिफ्ट हुए हैं। केजरीवाल ने 17 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने सीएम आवास और सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ने का ऐलान किया था। आप ने कहा था कि केजरीवाल नया घर देख रहे हैं। वे ऐसी जगह ढूंढ रहे हैं, जहां रहने में कोई विवाद न हो। आप ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार से केजरीवाल को नेशनल पार्टी के प्रमुख के तौर पर आवास मुहैया कराने की मांग की गई थी, लेकिन सरकार की ओर से इस पर कोई जवाब नहीं आया था। सब जानते हैं कि बंगला अभी भी आपके कब्जे में है। आपने जिस तरह से बंगला आतिशी को सौंपने की कोशिश की, वह असंवैधानिक था। आतिशी को पहले ही एक बंगला आवंटित किया जा चुका है, फिर वह आपका बंगला कैसे ले सकती हैं? उस बंगले में बहुत सारे राज छिपे हुए हैं। एलजी ने भाजपा के कहने पर जबरदस्ती सीएम आतिशी का सामान घर से बाहर निकाला।

रतन टाटा का 86 साल की उम्र में निधन

सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक अंतिम दर्शन होंगे, राजकीय सम्मान से विदाई होगी

संजीवनी टुडे

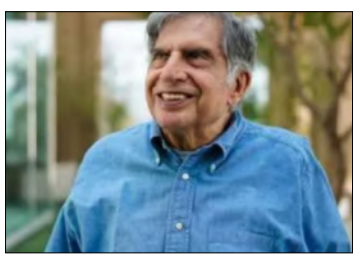

मुंबई। टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने बुधवार देर रात करीब 11 बजे अंतिम सांस ली। वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। निधन की जानकारी उद्योगपति हर्ष गोयनका ने सबसे पहले दी। उन्होंने रात 11:24 बजे सोशल मीडिया पर लिखा, 'घड़ी की टिक-टिक बंद हो गई। टाइटन नहीं रहे। रतन टाटा ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रतीक थे।' रात करीब 2 बजे उनका पार्थिव शरीर अस्पताल से उनके घर ले जाया गया। टाटा का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनका पार्थिव शरीर गुरुवार सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक साउथ मुंबई के नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स के हॉल में रखा जाएगा। यहां लोग उनका अंतिम दर्शन कर सकेंगे। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा 2 दिन पहले 17 अक्टूबर को भी टाटा को ऋण में भर्ती किए जाने की खबर थी। हालांकि, उन्होंने ही इसका खंडन करते हुए कहा था कि वे ठीक हैं, रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल पहुंचे हैं। देर रात करीब 2 बजे टाटा के पार्थिव शरीर को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से कोलाबा ले जाया गया। निधन की खबर मिलने के बाद अस्पताल में बड़ी संख्या में भीड़ जुटी। हम अत्यंत क्षति की भावना के साथ रतन टाटा को विदाई दे रहे हैं। समूह के लिए टाटा एक चेयरपर्सन से कहीं अधिक थे। मेरे लिए वे एक गुरु, मार्गदर्शक और मित्र थे। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉरपोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है। पीएम मोदी ने कहा टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया।

गहलोत राज के फैसलों की रिव्यू रिपोर्ट अटकी

कैबिनेट सब कमेटी का यू-टर्न, मंत्री जोगाराम पटेल बोले- अभी 40 मामलों पर डिस्कशन बाकी

संजीवनी टुडे

जयपुर। गहलोत सरकार के अंतिम छह महीने के फैसलों की समीक्षा का काम कैबिनेट सब कमेटी अभी पूरा नहीं कर सकी है। कैबिनेट सब कमेटी ने एक दिन बाद ही बयान बदल दिए हैं। एक दिन पहले ही मंत्रियों ने बुधवार को आखिरी बैठक करके रिपोर्ट सीएम को देने का दावा किया था। अब बुधवार को बैठक के बाद यह कहा गया कि अभी बैठकें और होंगी। संसदीय कार्य और कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- पूर्व सरकार के फैसलों की समीक्षा का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। अभी एक-दो बैठकें और होनी हैं। कुछ प्रकरणों में अधिकारियों से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के आने के बाद कमेटी निर्णय की स्थिति में होगी। कमेटी की अगली बैठक सोमवार को फिर से होगी। इससे पूर्व मंगलवार (8 अक्टूबर) को कमेटी के संयोजक स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने दावा किया था कि कमेटी की बुधवार को आखिरी बैठक होगी। उसके बाद कमेटी अपनी रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री को सौंप देगी। सचिवालय में बुधवार को हुई कमेटी की बैठक में कई विभागों के प्रकरणों पर चर्चा की गई। पटेल ने कहा- जमीन आवंटन के करीब 300 प्रकरणों पर विचार हुआ। ये चिकित्सा, उच्च शिक्षा सहित कुछ विभागों के प्रकरण हैं, जिन्हें वापस अधिकारियों को भिजवाया है। इस पर विस्तार से तथ्यात्मक जानकारी लेकर ही बैठक में फैसला करेंगे। अब संभवतः सोमवार को बैठक होगी। इसमें जमकर पैसा खर्च किया गया। साथ ही विभिन्न संस्थाओं को जमीनों की बंदरबाट की गई। कुछ निजी लोगों को भी फायदा पहुंचाने के लिए कानून की अवहेलना हुई। खींवसर ने कहा- अब तक की समीक्षा के दौरान हमने देखा है कि किस तरह से पिछली सरकार ने विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से कुछ समय पहले नियमों को ताक में रखकर फैसले लिए। इसमें जमकर पैसा खर्च किया गया। साथ ही विभिन्न संस्थाओं को जमीनों की बंदरबाट की गई। कुछ निजी लोगों को भी फायदा पहुंचाने के लिए कानून की अवहेलना हुई।

खींवसर ने कहा था- कांग्रेस राज में नियम-कायदों की जमकर धज्जियां उड़ाई

कैबिनेट सब कमेटी ने मंगलवार को 10 विभागों के मामलों की पड़ताल की थी। रिव्यू कमेटी के संयोजक स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा था कि कांग्रेस सरकार में आखिरी समय में जो फैसले लिए गए, उनमें नियम-कायदों की जमकर धज्जियां उड़ाई गईं। अब तक की समीक्षा के दौरान हमने देखा है कि किस तरह से पिछली सरकार ने विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से कुछ समय पहले नियमों को ताक में रखकर फैसले लिए।

सीएम भजनलाल को विदेश जाने की मिली अनुमति

जयपुर जिले की एडीजे कोर्ट ने दी परमिशन, विदेश जाने से पहले कोर्ट को बताना होगा

संजीवनी टुडे

जयपुर। सीएम भजनलाल शर्मा को कोर्ट से विदेश जाने की अनुमति दे दी हैं। सीएम की ओर से जिले की एडीजे-4 अदालत में इसके लिए सोमवार प्रार्थना पत्र दायर किया गया था। जिसमें सीएम भजनलाल शर्मा की ओर से कहा गया है कि उन्हें 13 से 25 अक्टूबर तक विदेश जाने की अनुमति दी जाए। इस मामले को लेकर बुधवार को सुनवाई हुई और कोर्ट ने सीएम को विदेश जाने की परमिशन दे दी है। लेकिन, कोर्ट ने सीएम भजनलाल शर्मा पर तीन शर्तें लगाई है। सुनवाई के दौरान वकील सांवरमल चौधरी ने सीएम के प्रार्थना पत्र का विरोध किया। लेकिन, कोर्ट ने उनके विरोध को खारिज कर दिया। दरअसल, सीएम प्रदेश में होने वाली राइजिंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट को लेकर लंदन में आयोजित होने वाली इन्वेस्टर मीट और रोड शो में शामिल होने के लिए विदेश जाना चाहते हैं। सीएम भजनलाल शर्मा गोपालगढ़ दंगा मामले में जमानत पर हैं। कोर्ट ने उन्हें दी गई अग्रिम जमानत में यह शर्त लगा रखी है कि जब भी वे विदेश जाएंगे, कोर्ट से इजाजत लेंगे। पिछले महीने सीएम भजनलाल शर्मा राइजिंग राजस्थान के तहत निवेशकों को आमंत्रित करने दक्षिण कोरिया व जापान यात्रा पर गए थे।

विदेश जाने और आने के बाद कोर्ट को बताना होगा

सीएम के वकील अश्विनी बोहरा ने बताया कि विदेश यात्रा पर रवाना होने और विदेश यात्रा से लौटने पर कोर्ट को सूचित करना होगा। इसके साथ ही पिछले विदेश दौरे के खिलाफ कोर्ट में लगे प्रार्थना पत्र पर अगर किसी गवाह के बयान होते है तो सीएम के अधिवक्ता को उससे जिरह करनी होगी। इसमें कोर्ट ने कहा कि जब भी वे विदेश जाएंगे और दोबारा आएंगे तो कोर्ट को बताएंगे। बताया जाता है कि इसके लिए उन्होंने अदालत से पूर्वानुमति नहीं ली थी। इसके बाद एडवोकेट सांवरमल चौधरी ने बिना इजाजत विदेश जाने पर सीएम भजनलाल शर्मा की अग्रिम जमानत को रद्द करने के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र दायर किया था। जिस पर अदालत ने सीएम और सीबीआई से जवाब मांगा था। साल 2011 में गोपालगढ़ में हुए दंगा मामले में अदालत से भजनलाल शर्मा, जाहिदा खान, जमशेद खान, प्रमोद शर्मा, जवाहर सिंह बेढम, केसरी सिंह, गिरधारी तिवारी सहित अन्य आरोपियों को 10 सितंबर, 2013 को 50-50 हजार रुपए की दो जमानतों व एक लाख के मुचलके पर सशर्त अग्रिम जमानत मिली थी। शर्त थी कि कोर्ट की मंजूरी के बिना देश से बाहर नहीं जाएंगे। जांच में सहयोग करेंगे और गवाहों को डराएंगे-धमकाएंगे नहीं। अब पूर्व मंत्री जाहिदा खान ने अदालत में प्रार्थना पत्र लगाकर कहा है।

बम की धमकी के बावजूद 3.30 घंटे उड़ता रहा प्लेन

संजीवनी टुडे

विस्तारा लंदन-दिल्ली फ्लाइट में मिला धमकी भरा टिश्यू पेपर; 5 घंटे तक एयरपोर्ट पर फंसे पैसेंजर

नई दिल्ली। लंदन से दिल्ली के लिए उड़ी विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट ठख18 में बुधवार को बम की सूचना से हड़कंप मच गया। फ्लाइट के दिल्ली पहुंचने से करीब साढ़े 3 घंटे पहले एक यात्री ने प्लेन के टॉयलेट में धमकी भरा टिश्यू पेपर देखा। उसने क्रू मेंबर को सूचना दी। फ्लाइट को दिल्ली में लैंड कराकर आइसोलेशन-बे में ले जाया गया, जहां सभी पैसेंजर के सामान की जांच की गई। हालांकि बम जैसी कोई चीज नहीं मिली। इस मामले में अहम पेंच यह भी है कि बम की सूचना वाला टिश्यू पेपर मिलने के बावजूद साढ़े 3 घंटे तक प्लेन हवा में उड़ता रहा। पुलिस ने क्रू मेंबर्स से सवाल किया कि बम की सूचना के बावजूद प्लेन को दिल्ली तक क्यों लाया गया। किसी नजदीकी देश में ही लैंडिंग की इजाजत मांगी जा सकती थी। पुलिस के सवाल पर पायलट और क्रू मेंबर्स ने कहा कि रास्ते में फ्लाइट लैंड करवाने पर प्लेन के हाइजैक होने का खतरा था। इससे बचने के लिए फ्लाइट को सीधे दिल्ली लाया गया। फ्लाइट में करीब 300 यात्री और क्रू मेंबर सवार थे। सुरक्षा जांच के चलते पैसेंजर्स करीब 5 घंटे एयरपोर्ट पर ही फंसे रहे। विस्तारा की फ्लाइट में लंदन से दिल्ली आ रहे राजीव गौतम ने भास्कर को बताया कि बम होने की सूचना मिलने के बाद करीब साढ़े 3 घंटे का रास्ता डर के बीच गुजरा। फ्लाइट तय समय सुबह 11.20 बजे दिल्ली पहुंच गई थी। दिल्ली एयरपोर्ट पर इसे बिल्कुल कोने में खड़ा किया गया। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने प्लेन को घेर लिया। उन्होंने बताया कि प्लेन से पहले बिजनेस क्लास पैसेंजर, फिर प्रीमियम इकोनॉमी और आखिर में इकोनॉमी क्लास के पैसेंजर्स को उतारा गया। सभी के बैगेज चेक करने के लिए मोबाइल एक्स-रे स्कैनिंग वैन बुलाई गई। सामान की चेकिंग के बाद पैसेंजर को डिपार्चर गेट नंबर 4 के पास बैठाया गया। सुरक्षाबलों की तरफ से कहा गया कि सारी जांच होने तक किसी भी यात्री को टर्मिनल बिल्डिंग में जाने की इजाजत नहीं है।

राजस्थान में कांगो फीवर से महिला मरीज की मौत

मेडिकल टीमों ने गांव जाकर लिए ब्लड सैंपल, इसकी वैक्सीन नहीं, बचाव ही इलाज

संजीवनी टुडे

जोधपुर। राजस्थान में कांगो फीवर से महिला मरीज की मौत का मामला सामने आया है। जोधपुर के बनाड़ इलाके के नांदड़ा कलां गांव की महिला की अहमदाबाद में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। देर रात रिपोर्ट में कांगो फीवर की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम महिला के गांव पहुंची और सर्वे किया। टीम ने परिजनों के साथ ही पड़ोस में रहने वाले लोगों के ब्लड सैंपल लिए। डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया- महिला के कांगो फीवर की रिपोर्ट आते ही मेडिकल टीम अलर्ट हो गई थी। बुधवार सुबह करीब 8 बजे टीमों को नांदड़ा गांव भेज दिया गया। पूरे गांव में सर्वे करवाया गया है। साथ ही महिला के सभी परिजनों के सैंपल लिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कांगो फीवर से पीड़ित महिला पशुपालन से जुड़ी हुई थी। पशुओं के साथ रहने से कांगो फीवर का खतरा अधिक बढ़ जाता है। पशुओं की चमड़ी से चिपके रहने वाला 'हिमोरल' (किलनी) नामक परजीवी इस रोग को बढ़ाता है। कांगो फीवर के संक्रमण से रोगी को बुखार का एहसास होता है और उसके शरीर की मांसपेशियों में दर्द होता है। उसे चक्कर आते है, सिर दर्द करता है।

सैंपल में कांगो फीवर होने की पुष्टि हुई

जोधपुर डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया- जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र के नांदड़ा कलां गांव में एक 51 साल की महिला की 3 अक्टूबर को तबीयत खराब हो गई थी। परिजन मरीज को निजी अस्पताल ले गए थे, जहां से उनको जोधपुर के एमडीएम हॉस्पिटल रेफर कर दिया था। महिला की तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उनको अहमदाबाद के स्टर्लिंग हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। 8 अक्टूबर की सुबह महिला की मौत हो गई थी। डॉक्टर ने महिला के ब्लड सैंपल जांच के लिए पुणे भेजे थे। मंगलवार देर रात को महिला की रिपोर्ट आई थी। जिसमें कांगो फीवर की पुष्टि हुई थी। आंखों में जलन और रोशनी से डर लगने लगता है।

पांच साल बाद जोधपुर में फिर मिला मरीज

डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया- जोधपुर में इससे पहले कांगो फीवर का मामला साल 2019 में सामने आया था। उस समय तीन बच्चों में इस फीवर के लक्षण नजर आए थे। साथ ही दो मरीजों की मौत भी हुई थी। साल 2014 में पहली बार जोधपुर में कांगो फीवर के मरीज सामने आए थे। जोधपुर डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रीतम सिंह ने बताया- महिला के संपर्क में आने वाले सभी लोगों की हिस्ट्री खंगाली जाएगी। उन्हें 15 से 20 दिन तक सर्विलांस पर रखा है। 2019 में जो केस आए थे वैसा ही केस सामने आया है। गांव में मवेशियों के सैंपल लिए गए हैं। इसकी रिपोर्ट आने के बाद पशुपालन विभाग के साथ मिलकर आगे की कार्ययोजना बनाई जाएगी।

कश्मीर में जवान का गोलियों से छलनी शव मिला

आतंकियों ने एक दिन पहले अनंतनाग से अगवा किया था, रातभर सर्चिंग के बाद बॉडी मिली

संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में सुरक्षा बलों को बुधवार को टेरिटोरियल आर्मी के एक जवान की बॉडी मिली है। उसके शरीर पर गोलियों के निशान हैं। न्यूज एजेंसी इगक्रके सूत्रों के मुताबिक, आतंकियों ने टेरिटोरियल आर्मी के 2 जवानों को मंगलवार को किडनैप किया था, जिनमें से एक भागने में कामयाब रहा। इसके बाद आर्मी ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इससे पहले आर्मी ने एक जवान के लापता होने की जानकारी दी थी। जिस जवान की बॉडी मिली है, उसका नाम हिलाल अहमद भट है। भट अनंतनाग के मुखधामपोरा नौगाम के रहने वाले थे और 8 अक्टूबर को कोकेरनाग के काजवान फॉरेस्ट एरिया से लापता हो गए थे। उन्हें ढूंढने के लिए सुरक्षा बलों ने रात भर सर्च ऑपरेशन चलाया था। आज उनकी बॉडी अनंतनाग में सांगलान के जंगलों में मिली। हिलाल अहमद 4 साल पहले टेरिटोरियल आर्मी में भर्ती हुए थे। उनके परिवार में पत्नी, दो बच्चे और माता-पिता हैं। परिवार बोला- हमें इंसाफ चाहिए हिलाल अहमद भट के पड़ोस में रहने वाले उसके चचेरे भाई ने कहा कि हमें हिलाल की मौत का बहुत दुख है। हम लोग बचपन से साथ थे। हिलाल 8 तारीख की सुबह घर से निकला था। फिर उसका शव मिला। यह बहुत गलत हुआ है। घटना के बाद से पूरे गांव में दुख का माहौल है। कई सोया भी नहीं है। हिलाल को इंसाफ मिलना चाहिए। हिलाल के गांव के एक व्यक्ति ने कहा कि हिलाल बहुत अच्छा लड़का था। कल हमें पता चला कि ये कहीं से लापता हुआ है। घर से ड्यूटी के लिए निकला था। 8 तारीख को लापता हुआ था। 9 तारीख को शव मिला। हम सरकार से अपील करते हैं कि हिलाल के परिवार में पत्नी है और दो छोटे बच्चे हैं, उनका ख्याल रखा जाए। हिलाल को इंसाफ मिले। बॉर्डर पर लगातार सर्च ऑपरेशन, 4 दिन पहले 2 टेररिस्ट मारे सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की खबर मिलने के बाद 4 अक्टूबर को सर्च ऑपरेशन शुरू किया था।

दिल्ली में आप अकेले चुनाव लड़ेगी, कांग्रेस से गठबंधन नहीं

पार्टी प्रवक्ता बोलीं- हम ओवर कॉन्फिडेंट कांग्रेस और अहंकारी भाजपा से लड़ने में सक्षम

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का फैसला किया है। आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने बुधवार को कहा, 'हम ओवर कॉन्फिडेंट कांग्रेस और अहंकारी भाजपा से अकेले लड़ने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों से दिल्ली विधानसभा में कांग्रेस के पास कोई सीट नहीं है, फिर भी आप ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को तीन सीटें दीं। इसके बावजूद कांग्रेस को हरियाणा में सहयोगियों को साथ लेना जरूरी नहीं लगा। आखिर में कांग्रेस को अपने ओवर कॉन्फिडेंस के कारण हार का सामना करना पड़ा। आप ने 9 सीटें मांगी थीं, जिसे कांग्रेस ने ठुकरा दिया था। इसके बाद आप ने राज्य की 90 सीटों में से 89 पर चुनाव लड़ा। हालांकि, पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली, कांग्रेस 37 सीटें ला सकी। सांसद राघव चड्ढा बोले- बीजेपी को हराने में आप पूरी तरह से सक्षम आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा- हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत कम और कांग्रेस की हार ज्यादा है। हरियाणा में जनता ने बीजेपी को हटाने और बदलाव लाने के लिए वोट किया।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आप में गठबंधन नहीं हो सका

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आप में गठबंधन नहीं हो सका था। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने इंडिया की पार्टियों को गंभीरता से नहीं लिया और गठबंधन नहीं किया। लेकिन भाजपा को बहुमत मिला और उनकी सरकार बनी। चड्ढा ने कहा कि हरियाणा में अगर एकजुट होकर चुनाव लड़ा जाता तो परिणाम कुछ और ही होते। देश में कई ऐसे राज्य हैं, जहां कांग्रेस भाजपा को नहीं हरा पा रही और यहां इंडिया के दलों के साथ चुनाव लड़ा जाए तो परिणाम अलग होंगे। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में स्थानीय पार्टियां खुद भाजपा को हरा सकती हैं। और कई राज्यों में कांग्रेस भाजपा से सीधी लड़ाई में कमजोर पड़ जाती है। अगर, यहां कांग्रेस क्रग.कक्रइ के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है तो भाजपा को आसानी से हराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि साल 2015 और 2020 में अरविंद केजरीवाल और आप ने आजाद भारत के इतिहास में सबसे बड़े जनादेश के साथ सरकार बनाई। केजरीवाल ने कहा था- अधिक आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव का रिजल्ट के रुझानों के बीच आप संयोजक और पूर्व दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने बयान जारी किया था। उन्होंने आप के नगर निगम सदस्यों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा था कि 'देखते हैं हरियाणा में परिणाम क्या आते हैं।

शहर के योजनाबद्ध विकास के लिए तैयार की गई कार्य योजना को अमल में लाए: जिला कलक्टर

■ संजीवनी टुडे

अलवर। जिला कलक्टर एवं नगर विकास न्यास की अध्यक्ष डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में नगर विकास न्यास की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने बिन्दुवार समीक्षा कर निर्देश दिये कि शहर के विकास हेतु योजनाबद्ध रूप से कार्य योजना के अनुरूप कार्य करें। साथ ही विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यों को समयबद्ध रूप में पूर्ण करावे। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बिन्दुवार विचार-विमर्श कर 3 बेबी केयर सेन्टर निर्माण सहित आधारभूत संरचना विकास कार्यों हेतु करीब 40 करोड रूपये के विकास कार्य कराए जाने, शहर के सुनियोजित विकास हेतु ग्राम ढाढोली, बहाला एवं सांखला में न्यास के नाम दर्ज रिक्त भूमि पर आवासीय योजनाएं विकसित किए जाने, बजट घोषणाओं से संबंधित भूमि आवंटन जिनमें पीएम-500 ई-बसों हेतु पार्किंग, इंफस्ट्रक्चर, शेड, कार्यालय एवं अन्य सुविधाओं हेतु ग्राम बहाला में 13000 वर्ग मीटर भूमि, विज्ञान नगर में विज्ञान केंद्र की स्थापना हेतु 2 हैक्टेयर भूमि, शिवाजी पार्क में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हेतु 3500 वर्गमीटर भूमि

निःशुल्क आवंटन कराने, नगर निगम द्वारा सीएण्डी वेस्ट प्लॉट स्थापित करने हेतु ग्राम अग्यारा में कुल 18000 वर्गमीटर भूमि तथा नव सृजित पहाडी का बास ग्राम बहाला में प्राथमिक विद्यालय हेतु 1500 वर्गमीटर भूमि निःशुल्क आवंटन करने, अखिल राजस्थान जाटव महासभा समिति को बालिका छात्रावास हेतु भूमि आवंटन का प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाने तथा नगर विकास न्यास की विभिन्न योजनाओं, गैर योजनाओं, कृषि भूमि के आरक्षित दरों का पुनः निर्धारण किए जाने के निर्णय लिए गए। उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि नगर विकास न्यास की विभिन्न योजनाओं में पेयजल की सुनिश्तिता किए जाने हेतु यथाशीघ्र डीपीआर तैयार करे। उन्होंने यूआईटी सचिव को विभिन्न नवाचारों के माध्यम से शहर का सौन्दर्यकरण व विकास कराया जाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रारम्भिक चरण में यूआईटी की हर स्कीम के एक-एक पार्क को 'वेस्ट टू आर्ट' थीम पर अनुपयोगी सामग्री से पार्कों में आकर्षक कलाकृतियां लगवाई जाए, नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य के लिए शहर में तीन साइकिल ट्रैक विकसित किए जाने हेतु उपयुक्त स्थान का चयन कर रिपोर्ट आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इनमें से प्रारम्भिक चरण में शहर में साइकिल ट्रेक विकसित किया जाए तथा शहर के साथ लगते हुए क्षेत्रों में दो साइकिल ट्रेक विकसित करने हेतु रूट चिन्हित करें।

उन्होंने निर्देश दिये कि शहर में वर्षा जल पुनर्ग्रहण संरचना निर्माण हेतु विस्तृत सर्वे कराकर संबंधित भूखण्डधारियों को उक्त संरचना निर्माण हेतु नोटिस जारी करें। उन्होंने शहर की यातायात व्यवस्था के सुचारू प्रबंधन का अध्ययन कर रिपोर्ट दिए जाने हेतु यूआईटी सचिव की अध्यक्षता में समिति का गठन करने के निर्देश दिये जिसमें नगर निगम आयुक्त, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता, यूआईटी के अधीक्षण अभियन्ता, यातायात पुलिस के उपाधीक्षक सदस्य होंगे। समिति शहर की भविष्य में यातायात संभावनाओं, पार्किग व्यवस्था आदि का अध्ययन कर शहर के यातायात को सुगम बनाए जाने हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी जिसके आधार पर संबंधित विभाग समन्वय स्थापित कर एक कार्य योजना तैयार कर उसे योजनाबद्ध रूप से अमल में लाए। जिला कलक्टर ने नगर विकास न्यास परिसर व भगतसिंह सर्किल पर 'वेस्ट टू आर्ट' थीम पर लगाई गई कलाकृतियों का निरीक्षण कर कहा कि शहर के पार्कों में भी इसकी तर्ज पर कलाकृतियां लगवाए। उन्होंने कालीमोरी फाटक व आरआर कॉलेज के सामने किए जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि विकास कार्य गुणवत्तापूर्ण करावे इसके लिए प्रभावी मॉनिटरिंग करें। इस दौरान यूआईटी की सचिव सुश्री धीगदे स्नेहल नाना, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, यूआईटी के उप सचिव सोहन सिंह नरूका, भूमि अवाप्ति अधिकारी भारत भूषण दीक्षित, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह, जयपुर डिस्कॉम के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, यूआईटी के अधीक्षण अभियन्ता तैयब खान, उप नगर नियोजक संध्या सैनी, पीएचईडी के अधिशाषी अभियन्ता संजय सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

कुएं में गिरने से युवक की मौत

■ संजीवनी टुडे

फागी। ग्राम पंचायत थला के युवक की कुएं गिरकर डूब जाने की वजह से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम थला निवासी घासी राम पुत्र नवल राम उम्र 32 वर्ष रात्रि के समय घर से निकला एवं पास में ही स्थित एक सार्वजनिक कुएं के ऊपर लगे जाल को हटाकर कुएं में गिर गया।

सुबह परीजनों ने उठकर देखा की घासी राम घर पर नहीं है तो आसपास ढूंढने लगे। ढूंढने पर भी जब घासी राम नहीं मिला तो पुलिस को सूचित किया एवं गांव में तलाश करना शुरू किया गया। कुएं का जाल हटा हुआ देखकर ग्रामीणों को शक हुआ तो कुएं में तलाश करने पर घासी राम का शव कुएं में पाया गया। सूचना पर मौके पर रेनवाल मांजी थाना पुलिस ने शव को निकलवा कर फागी स्थित उपजिला अस्पताल में भिजवाया एवं पोस्टमार्टम कर परीजनों को सुपुर्द करवाया। आसपास के पड़ोसियों एवं ग्रामीणों से बात करने पर पता चला कि मृतक मंदबुद्धी था कई बार घर से उठकर चला जाता था।

डांडिया महोत्सव का आयोजन

■ संजीवनी टुडे

टोंक। शिव शिक्षा समिति रानोली द्वारा संचालित शिव शिक्षा सदन उच्च माध्यमिक विद्यालय रानोली में नवरात्रा महोत्सव के दौरान डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि संस्था सचिव डॉ. शिवजी राम यादव, एलआईसी क्लब मेम्बर और भामाशाह जगदीश प्रसाद टेलर,निदेशक गीता यादव, प्रबंध निदेशक कुलदीप यादव, प्रधानाचार्य मांगी लाल गुर्जर ने सरस्वती माता के चित्र समक्ष दीप प्रज्वलित करके की। महोत्सव में बालिकाओं ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए डांडिया खनकाए। इस दौरान एकल नृत्य, सामुहिक नृत्य, गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिता सहित अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विद्यालय की समस्त बालिकाएं और स्टॉफ साथी उपस्थित रहे। विद्यालय के वाहन चालक दुर्गा लाल, हनुमान प्रसाद, गौरी शंकर, और मदन लाल जी के द्वारा बच्चो के भोजन की व्यवस्था की गई।

अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत बीपीएल किसानों को बकरियों का किया गया वितरण

■ संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर में बुधवार को सिरोही बकरी परियोजना के अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत चाँदसेन गाँव के पांच बीपीएल लाभार्थी किसानो को आजीविका के लिए 02 सिरोही बकरी प्रति किसान (कुल 10 बकरी) वितरण भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद नई दिल्ली के पशुविज्ञान उप-महानिदेशक डॉ रघुवेंद्र भट्टा एवं अन्य अतिथि की मौजूदगी मे किया गया। पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन विभाग अध्यक्ष डॉ सिद्धार्थ सारथी मिश्रा ने बताया कि हम इसी तरह चाँदसेन गांव के आर्थिक रूप से कमजोर अनुसूचित जाति लोगो को वितरण पिछले कई सालो से कर रहे है, जिससे किसान स्थानीय स्तर पर आजीविका कमा सके। वितरण के अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर, डॉ आर के सवाल, डॉ प्रवीण मलिक, डॉ आनंदम, डॉ रामोतार लेघा, डॉ सरवन, जगदीश गुर्जर आदि लोग भी उपस्थित रहे।

व्यवसाय शिक्षा के विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

■ संजीवनी टुडे

टहला। बुधवार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टहला में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत संचालित फूड़ प्रोसेसिंग के विद्यार्थियों ने प्रभारी रामस्वरूप सैनी व वी टीठ्ठ.द्रुमनीष सोमवंशी के निर्देशन में एस्ट्रोपोर्ट सरिस्का रिजोर्ट में औद्योगिक भ्रमण किया। रिजोर्ट के डायरेक्टर भगवान सिंह नाथावत व मेनेजर घनश्याम सिंह ने विद्यार्थियों को फूड़ प्रोसेसिंग से संबंधित सभी जानकारी से अवगत कराया। विद्यालय के संस्था प्रधान नंदकिशोर मीणा ने विद्यार्थियों को भ्रमण करवाने पर एस्ट्रोपोर्ट सरिस्का रिजोर्ट के डायरेक्टर व समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान पंचायती राज्य एवं माध्यमिक शिक्षक संघ उप शाखा राजगढ़ के चुनाव हुए संपन्न

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़ । राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ उपशाखा राजगढ़ जिला अलवर के तत्वाधान में 8 अक्टूबर 2024 को पंचायत समिति सभागार में चुनाव संपन्न करवाया गया। जिसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार मीणा उप प्राचार्य रा उ मा वि श्रीचंदपुरा एवम् पर्यवेक्षक मनीष कुमार चौधरी जिला महामंत्री को नियुक्त किया गया। चुनाव प्रक्रिया के लिए उपस्थित सभी शिक्षकों ने आम सहमति से ब्लॉक अध्यक्ष खेमराज मीणा सभा अध्यक्ष बाबूलाल बैरवा ब्लॉक महामंत्री रूप सिंह पीलोदा वरिष्ठ उपाध्यक्ष जयप्रकाश एवं संरक्षक अशोक शर्मा को नियुक्त किया गया। सभी ब्लॉक पदाधिकारी को संगठन के जिला अध्यक्ष मुकेश मीणा के द्वारा बधाई दी गई तथा राजगढ़ ब्लॉक के सीबीआईओ रामगोपाल मीणा, एसीबीईओ कमल कुमार मीणा के द्वारा नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं एवम् बधाई दी गई तथा संगठन के साथ तालमेल से कार्य करने की सहमति भी जताई गई उक्त कार्यक्रम का संपादन कालूराम मीणा ब्लॉक संयोजक के द्वारा किया गया। इसी मौके पर एचएसजी के जिला उपाध्यक्ष कृष्ण अवतार शर्मा,हरिमोहन मीणा,रामअवतारमीणा ,कुलदीप मीणा, दिनेश सैनी अध्यापक ,रामकेश मीणा, विजेंद्र मीणा बालिका स्कूल सकट व रामेश्वर दयाल मीणा ,कपिल जैमन इत्यादि उपस्थित रहे।

माँ आशापुरी मंदिर में दुर्गा अष्टमी पर महायज्ञ व महाआरती का आयोजन शुक्रवार को

■ संजीवनी टुडे

मोदरान। स्थानीय श्री आशापुरी महोधरी माताजी मंदिर में शुक्रवार को दुर्गा अष्टमी पर यज्ञ व महा आरती का आयोजन शुक्रवार को प्रातः दस बजे आयोजित किया जाएगा जो शाम को पांच बजे पुर्णाआहुती के बाद महाआरती का आयोजन किया जाएगा ईसको लेकर पंडित आचार्य भीमाशंकर दवे ,शुभम दवे, नंदकिशोर त्रिवेदी, निखिल दवे, गणपत दवे, दिनेश त्रिवेदी द्वारा नौ दिवसीय दुर्गा सप्तशती पाठ के साथ वैदिक मंत्रों से अनुष्ठान किया जा रहा है। इस बार श्री आशापुरी महोधरी माताजी मंदिर ट्रस्ट कमेटी और भामाशाह द्वारा मंदिर के विकास को लेकर मंदिर परिसर को साफ सफाई व रंग रोगन के साथ नवीन सीढियो का निर्माण कार्य किया गया है। वही मंदिर में आने जाने वाले सभी दर्शनार्थियों के लिए भोजन प्रसादी के लिए कुपन लेकर भोजनशाला में भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मंदिर में नवरात्रि महोत्सव को लेकर सुबह से शाम तक हजारों की संख्या में जिलेभर से दर्शनार्थियों का तांता लगा हुआ है।

भारत माता राजीविका की वार्षिक आमसभा का हुआ आयोजन

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के टहला मार्ग स्थित एक निजी गार्डन में बुधवार को राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा संचालित भारत माता राजीविका सीएलएफ की वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। भारत माता राजीविका सीएलएफ की कलस्टर मेनेजर सुधा शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में राजीविका द्वारा चल रही विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में एन.एल.वर्मा, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका आशा सुमन, लायंस क्लब के प्रांतीय संयोजक डॉ खेमसिंह आर्य थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकारिता विभाग के मेनेजर कैलाश मीना रहे। वार्षिक आमसभा में आय व्यय तथा लेखा जोखा की रिपोर्ट उपस्थित महिलाओं के समक्ष प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में महिलाओं को स्वरोजगार, आजीविका, बैंक लिकेंज के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम को एन.एल.वर्मा, डॉ खेमसिंह आर्य, राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका आशा सुमन ने भी सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रबंधक अविनाश, जिला प्रबंधक वित्तीय आर सी मीना, ब्लॉक प्रबंधक हिमांशु शर्मा, पीएएमआईएस विनित वशिष्ठ, दुर्गा प्रसाद, सीएलएफ कलस्टर मेनेजर सुधा शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, प्रज्ञा मीना सहित महिलाएं उपस्थित रहीं।

पूज्य सिन्धी पंचायत सांगानेर में मनाया डांडिया महोत्सव

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। सांगानेर स्थित पूज्य सिन्धी धर्मशाला में डांडिया महोत्सव 2024 मंगलवार को बड़े धूम धाम से संपन्न हुआ माता रानी भगवान झूलेलाल का आकर्षण दरबार सजा विधिवत पूजा अर्चना कर माता रानी की आरती कर डांडिया महोत्सव 2024 को शुरू किया गया। माता रानी की आरती पूज्य सिन्धी पंचायत सांगानेर की पदाधिकारियों द्वारा उतारी गई सरक्षक भगवान दास गंगवानी अध्यक्ष उत्तम चंद बच्चानी उपाध्यक्ष धनालाल चतरानी महासचिव राजेश नाजवानी कोषाध्यक्ष महादेव ईसरानी वरिष्ठ सलाहाकार नेनुमल तेजवानी सचिव ठाकुरदास गनवानी सद्स्य अशोक तनवानी मीडिया प्रभारी पीयूष बच्चानी आदि द्वारा आरती कर डांडिया महोत्सव 2024 के कार्यक्रम को शुरू किया गया एव डेजर्ट डांस एकेडमी दिलिप लोकवानी द्वारा बच्चो को डांडिया महोत्सव की तैयारी कराई गई महिलाओ और बच्चो ने बड़ चढ़ कर भाग लिया इस कार्यक्रम में डांडिया महोत्सव 2024 में महिलाओ और नन्हे मुन्ने प्यारे बच्चे डांफिया ड्रेस में तैयार होकर डांडिया महोत्सव में डांडिया डांस कर आनद लिया इस कार्यक्रम में बेस्ट कपल डांस प्राइज दिया गया बेस्ट डांडिया डांस प्राइज दिया गया बेस्ट डांडिया ड्रेस प्राइस दिया गया सभी बच्चों को उपहार दिए गए इस कार्यक्रम में सिंधी समाज के महिलाओ और पुरुषो एव बच्चो ने बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

पीड़ित परिवार का सहारा बना सोशल मीडिया

■ संजीवनी टुडे

बसवा(दौसा) तहसील के गांव झाझीरामपुरा में स्व. गंगाराम(गबदू) मीना की हार्ट अटैक बीमारी से आकस्मिक निधन हो जाने के कारण परिवार के सामने भरण पोषण की समस्या आ गई। स्व. गंगाराम जैसे -तैसे अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे थे लेकिन प्रकृति को कुछ ओर ही मंजूर था। उस पीड़ित परिवार की दयनीय स्थिति को देखते हुए गांव वालों ने सर्व समाज नवयुवक हेल्प टीम के सहयोग से सोशल मीडिया पर सहायता हेतु मिशन चलाया। जिसमें ग्रामवासी तथा सर्व समाज के समाजसेवियों ने बढ़ चढ़कर योगदान किया। हरिराम फौजी और मिट्ठन खोड़ा ने बताया कि इस मिशन में 31000 रू परसादी लाल रेलवे झाझीरामपुरा, 21000रू विक्रम हैड कांस्टेबल झाझीरामपुरा, 11551रू नाथूलाल बीएसएनएल गुल्लाना,11100 रू. एल आर मीना रिटायर्ड बीएसएनएल,11000 रू उमरेश पाड़ला रेलवे के उच्चतम सहयोग के साथ कुल सहयोग राशी 226000 रुपए रही। जो राशी उपस्थित सदस्यों ने 2 लाख रुपए की एफडी कराने व शेष राशी घर खर्च हेतु सुपुर्द की। गणधारी डाबला थानेदार अध्यक्ष,पवन नागलोत,विष्णु कुमार,परसादी, महेश इटोली आदि की सक्रियता के साथ मिशन समापन के अवसर पर दुर्गपाल सरपंच झाझीरामपुरा, समाजसेवी हरीराम फौजी, सरोज सरपंच पाटन, रमेश गुरुजी डाबला, मिट्ठन खोड़ा चंदूपुरा संयोजक,के पी सैनी बसवा, खेमराज एलआईसी, बाबूलाल, एल आर मीना, हरफूल, कमलेश सीटीआई, विजेंद्र,टुंडाराम,मगनलाल आदि सर्व समाज के बंधु, ग्रामवासी, रिश्तेदार व नवयुवक हेल्प टीम के सदस्य उपस्थित रहें। सभी ने ऐसे नेक कार्यों की सराहना की।

प्रकोष्ठ प्रभारी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें: जिला निर्वाचन अधिकारी

■ संजीवनी टुडे

टोंक। जिले में विधानसभा उप चुनाव-2024 (देवली-उनियारा) को सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संपादित करवाने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए गठित प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारियों की बुधवार को भारत निर्माण सेवा केंद्र के वीसी कक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) डॉ. सौम्या झा ने बैठक ली। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) रामरतन सौकरिया, नोडल प्रभारी स्वीप (सीईओ) परशुराम धानका, भू प्रबंधन अधिकारी सुरेश चौधरी एवं एडीएम बीसलपुर भूपेंद्र यादव भी मौजूद रहे। साथ ही, वीडियों कॉन्फ्रेसिंग से ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी जुड़े। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आगामी विधानसभा उप चुनाव में गठित प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं सहायक प्रभारी को जो कार्य दिया गया है, उसकी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता लगने के बाद उसकी अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाएं। रिटर्निंग अधिकारी उनियारा को मतदान केंद्रों पर सभी आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित कर रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने लेखा प्रकोष्ठ के चुनाव सामग्री से संबंधित टेंडर की स्थिति, मतदान दल के प्रशिक्षण, स्वीप प्लान, आदर्श आचार संहिता की घोषणा के पश्चात 24-48-72 घंटे की रिपोर्ट की पूर्व तैयारियां, सी-विजिल एप के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को चुनाव कार्य में आवश्यक वाहनों का आंकलन एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने डाक मतपत्र, ईडीसी एवं होम वोटिंग की तैयारी बेहतर ढंग से करने के निर्देश दिए। वेब कास्टिंग के लिए 50 प्रतिशत मतदान केंद्रों का चिन्हीकरण एवं नेटवर्क की सूचना तैयार करने के लिए डीओआईटी के एसीपी पवन कुमार महावर से जानकारी ली। चुनाव व्यय जांच प्रकोष्ठ के सह प्रभारी हरीश लालावत को निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग तथा रजिस्टर, प्रपत्र एवं अन्य अभिलेख संधारित करने के निर्देश दिए।

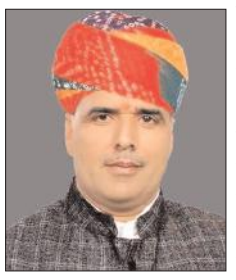

मालपुरा जिले के गजट नोटिफिकेशन कब होगा जारी?

■ संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने लम्बा कड़ा संघर्ष किया। लगभग 200 दिनों तक चले धरना प्रदर्शन के बाद पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने चुनावी दौर में मालपुरा को जिला तो घोषित कर दिया लेकिन गजट नोटिफिकेशन जारी नहीं होने से मालपुरा पूर्णतया जिले के अस्तित्व में नहीं आ सका। प्रदेश में सत्ता का तख्ता पलटा और कांग्रेस सरकार के हाथों से प्रदेश की बागडोर चली गई। भाजपा की भजनलाल सरकार ने प्रदेश की कमान संभाली तो फिर एक बार मालपुरावासियों को आशा की उम्मीद जगी कि मालपुरा जिले का भाजपा सरकार जल्द गजट नोटिफिकेशन जारी करेगी। क्योंकि मालपुरा टोडारायसिंह विधानसभा भाजपा का गढ़ माना जाता रहा है। पिछले तीन विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने यहां से एक बार भी जीत दर्ज नहीं की। लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव जीतकर भाजपा के विधायक कन्हैया लाल चौधरी को प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री का दर्ज़ा मिला है। ऐसा नहीं है कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में भाजपा के विधायक रहे कन्हैया लाल चौधरी ने मालपुरा जिला बनाने की मांग को लेकर आवाज नहीं उठाई। विधायक कन्हैया लाल चौधरी ने भी जिले के आंदोलन में अहम भूमिका निभाते हुए जन आंदोलन में भाग लिया। गहलोत सरकार को भी मालपुरवासियों की मांग और लंबे आंदोलन को मद्देनजर रखते हुए मालपुरा को जिला बनाने की घोषणा करनी पड़ी। लेकिन आज तक मालपुरा जिले का गजट नोटिफिकेशन जारी नहीं हो सका।

अब पूरे क्षेत्रवासियों की नजर केबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी पर टिकी हुई है कि "मंत्रीजी" मालपुरा जिले का गजट नोटिफिकेशन हरसंभव प्रयास कर जरूर जारी करवाएंगे। क्योंकि अब 31 दिसंबर तक प्रशासनिक इकाइयों की सीमाएं भी खोल दी गई है। उल्लेखनीय है कि मालपुरा को जिला बनाने की मांग को लेकर जिला बनाओ कोर कमेटी के सदस्यों ने उपखण्ड क्षेत्र में स्थित माता सिंधोलिया के मन्दिर में अर्जी लगाते हुए जिले की पाती भी मांगी थी। और माँ सिंधोलिया ने जिले की पाती भी दी थी। क्षेत्र में ऐसी लोकमान्यता है कि माता जी की पाती कभी खाली नहीं जाती। अब मालपुरावासियों के मुंह से यही सुनने को मिल रहा है कि माता जी की कृपा और मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ही मालपुरा जिले का गजट नोटिफिकेशन जारी करवा सकते हैं। आपको बता दे कि मालपुरा ब्रिटिश काल में भी डिस्ट्रिक्ट बोर्ड हुआ करता था। वर्तमान में भी मालपुरा जिला बनने के सारे मापदंड पर खरा उतरता है।

पेड न्यूज पर समिति की रहेगी पैनी नजर: उप चुनाव के दौरान राजनैतिक विज्ञापनों का अधिप्रमाणन अनिवार्य

रामगढ विधानसभा उप चुनाव हेतु मीडिया अधिप्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति (एमसीएमसी) की बैठक व एक कार्यशाला आयोजित

■ संजीवनी टुडे

अलवर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम एवं मीडिया प्रकोष्ठ प्रभारी मुकेश कायथवाल की अध्यक्षता में आज कलक्ट्रेट सभागार में रामगढ विधानसभा उप चुनाव हेतु मीडिया अधिप्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति (एमसीएमसी) की बैठक एवं कार्यशाला आयोजित हुई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी कायथवाल ने मीडिया प्रकोष्ठ में नियोजित कार्मिकों, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, टेलीकॉम कम्पनियों के प्रतिनिधियों एवं समिति से संबंद्ध अधिकारियों एवं व्यक्तियों से कहा कि रामगढ विधानसभा उप चुनाव हेतु आदर्श चुनाव आचार संहिता प्रभावी होते ही भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुपालना में मीडिया प्रकोष्ठ के द्वारा राजनैतिक विज्ञापनों का अधिप्रमाणन, पेड न्यूज पर निगरानी व आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुडे प्रकरणों पर इलेक्ट्रोनिक मीडिया, प्रिन्ट मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से निरन्तर निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि राजनैतिक विज्ञापन अधिप्रमाणन हेतु जिला स्तरीय विज्ञापन अधिप्रमाणन समिति द्वारा निर्धारित प्रपत्र में अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत इलैक्ट्रोनिक/सोशल मीडिया में प्रसारित होने वाले सभी विज्ञापनों को अधिप्रमाणित किया जायेगा। साथ ही टीवी/केबल चेनल्स, ई-पेपर, बल्क एसएमएस एंड वॉइस मैसेज, ऑडियो विजुअल डिस्प्ले ऑफ पोलिटिकल एडवरटाइजमेंट/कैम्पेन दन पब्लिक प्लेस, सोशल मीडिया वेबसाइट, रेडियों चैनल्स एंड सिनेमा हाल में प्रसारित विज्ञापनों को भी अधिप्रमाणित कराना अनिवार्य होगा। साथ ही अभ्यर्थियों द्वारा विज्ञापन के प्रसारण हेतु प्रस्तावित दिनांक से कम से कम दो दिवस पूर्व आवेदन करना होगा। उन्होंने बताया कि मतदान दिवस व इसके एक दिन पूर्व प्रकाशित होने वाले प्रिन्ट मीडिया के विज्ञापनों का भी अधिप्रमाणन कराया जाना अनिवार्य है।अधिप्रमाण हेतु आवेदन प्रकाशन की तिथि से कम से कम 2 दिन पूर्व किया जा सकेगा। ई- पेपर पर राजनैतिक विज्ञापन का अधिप्रमाणन आवश्यक है। उन्होंने बताया कि विज्ञापन अधिप्रमाण की प्रक्रिया के तहत

अभ्यर्थी द्वारा विज्ञापन अधिप्रमाण हेतु निर्धारित आवेदन पत्रा अनुलग्नक-अ के साथ 2 प्रतियों में विज्ञापन मय प्रमाणित लिप्यांकन (ट्रांसक्रिप्ट) यदि किसी व्यक्ति द्वारा जारी कराया जा रहा है तो शपथ पत्र देना होगा। आवेदन पत्र में विज्ञापन निर्माण लागत, प्रसारण की लागत तथा देय भुगतान के संबंध में अंकित करनी होगी। आवेदन कर्ता को यह अवगत कराना होगा कि विज्ञापन आदर्श चुनाव आचार संहिता के अनुकूल है।उन्होंने बताया कि पेड न्यूज का निर्धारण मीडिया प्रकोष्ठ के द्वारा अभ्यर्थी के चुनाव नामांकन की तिथि से किया जाएगा। समिति द्वारा संदेहास्पद समाचार/बुलेटिन जो कि पेड न्यूज की श्रेणी में होना पाए जाने पर रिटर्निंग अधिकारी द्वारा अभ्यर्थी को नोटिस जारी किया जाएगा। अभ्यर्थी द्वारा 48 घण्टे में जवाब प्रस्तुत करने पर समिति द्वारा पुनः जवाब का परीक्षण कर निर्णय किया जावेगा। यदि अभ्यर्थी निर्धारित समय-सीमा में जवाब प्रस्तुत नहीं करता है तो उसे पेड न्यूज मानते हुए डीआईपीआर/डीएवीपी की दरों से निर्धारण करते हुए राशि अभ्यर्थी के खाते में जोडी जावेगी। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय राजनैतिक विज्ञापनों के अधिप्रमाणन गठित कमेटी (एमसीएमसी) के द्वारा किया जाएगा। अधिप्रमाणन हेतु आवेदन आदि की कार्यवाही मिनी सचिवालय के कक्ष संख्या 102-ए में की जावेगी। विज्ञापन अधिप्रमाणन हेतु संबंधित प्रत्याशी/राजनैतिक दल निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जाएगा। जिसका विज्ञापन अधिप्रमाणन कमेटी द्वारा परीक्षण कर निर्णय लिया जाएगा तथा निर्णय की प्रति आवेदक को दी जाएगी। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निम्न विषयवस्तु युक्त विज्ञापनों का अधिप्रमाणन नहीं किया जाएगा जिनमें अन्य राष्ट्रों की आलोचना, धर्मो और समाजों पर आघात, अश्लील एवं अपमान जनक शब्द व चिन्ह आदि, अपराध व हिंसा का बढावा दिया गया हों, भडकाउ प्रवृति, शिष्टाचार के विरूद्ध, अदालत की अवमानना, राष्ट्रपति और न्यायपालिका में आक्षेप, राष्ट्र की एकत, संप्रभुता और अखंढता को प्रभावित करने वाली कोई भी बात, किसी भी व्यक्ति का नाम लेकर आलोचना, मंदिर, मस्जिद, गुरूद्वारा, चर्च या किसी भी पूजा स्थल या धर्मिक ग्रन्थ/प्रतिक /नारे का पोस्टर, संगीत आदि का चुनाव प्रचार में उपयोग, रक्षा कार्मिकों की तस्वीरे और रक्षा कार्मिको से जुडे समारोहों की तस्वीरे, अन्य दलों के नेताओं या कार्यकर्ताओं के निजी जीवन के किसी भी पहलू की आलोचना जो सार्वजनिक गतिविधियों से संबंधित न हो, असत्यापित आरोपो के आधार पर किसी अन्य पार्टी या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना, आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लघंन एवं किसी अन्य राजनैतिक दल/प्रत्याशी के विरोध में विज्ञापन अनुमत नही किये जाएगे, क्योंकि इससे दूसरे राजनैतिक दल/प्रत्याशी को लाभ पहुँचता है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार इलेक्ट्रोनिक, प्रिन्ट व सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग की जाएगी जिसमें आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के प्रकरणों पर पैनी नजर रखी जाएगी। संबंधित प्रकोष्ठ के द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जावेगी। इस दौरान मीडिया प्रकोष्ठ के सहायक प्रभारी एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सहायक निदेशक मनोज कुमार, डीओआईटी के उप निदेशक चारू अग्रवाल, अतिरिक्त डीआईओ मनीष कांवत, मास्टर टेनर प्रदीप पंचौली, टेलीकॉम कम्पनियों के प्रतिनिधि, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं एमसीएम के सदस्य तथा संबंधित अधिकारी एवं बैठक से संबंधित व्यक्ति मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई आज

संजीवनी टुडे

सलूंबर। जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान हेतु 10 अक्टूबर को सलूंबर जिले के समस्त उपखण्ड स्तर पर उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। जिला कलेक्टर श्री जसमीत सिंह संधू ने मुख्य सचिव के निर्देशों की अनुपालना में होने वाली उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों को अपने-अपने उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं । जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू उपखण्ड लसाडिया में आयोजित जनसुनवाई में भाग लेंगे।

राजभाषा हिन्दी को लेकर कार्यशाला आयोजित

संजीवनी टुडे

राजसमंद। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में बुधवार सुबह राजभाषा हिंदी को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में हिन्दी भाषा के विशेषज्ञ उदयपुर के डॉ. जय प्रकाश शाकद्वीपीय ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए हिंदी भाषा के महत्व, इतिहास और उसके समक्ष उपस्थित चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि हिन्दी भाषा का उदय कैसे हुआ, समय के साथ इसमें क्या-क्या परिवर्तन आए और यह भाषा कब से राजभाषा बनी। इसके साथ ही, उन्होंने हिन्दी भाषा में आमतौर पर होने वाली अशुद्धियों की जानकारी देकर सही शब्दों के प्रयोग की महत्ता पर बल दिया। विद्यालय के प्राचार्य घनश्याम मीना ने सभी को इस सत्र की जानकारी देते हुए हिन्दी को एक सशक्त संवाद माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा के माध्यम से हम अपनी भावनाओं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त कर सकते हैं। उन्होंने विद्यालय में जारी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी भी साझा की जिसकी अतिथियों ने मुक्तकंठ से सराहना की। डॉ. जय प्रकाश शाकद्वीपीय ने हिन्दी भाषा के उपयोग को सरल और प्रभावी बनाने के लिए कई उपाय बताए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विद्यार्थी हिन्दी के सही प्रयोग से न केवल अपनी भाषाई योग्यता को सुधार सकते हैं, बल्कि अपनी दैनिक जीवनशैली में भी इस भाषा को सहजता से अपना सकते हैं।

विशेष रूप से सक्षम बालक-बालिकाओं की संभाग स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के दिशा-निर्देशानुसार उदयपुर संभाग के विशेष रूप से सक्षम बालक बालिकाओं की संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सोमवार को गांधी ग्राउंड में आयोजित हुई। प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ एडीजे कुलदीप शर्मा, समसा के अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक वीरेन्द्र यादव जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल के आतिथ्य में हुआ। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विजेता प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किये गए। इस आयोजन में नारायण सेवा संस्थान उदयपुर का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता में उदयपुर, चितौडगढ, बासवाडा, राजसमंद, डूंगरपुर एवं प्रतापगढ़ जिले में जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 08 वर्ष से 18 वर्ष तक की बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। संभाग स्तर पर प्रथम स्थान, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बालक-बालिकाओं की प्रविष्टियां राज्य स्तर पर प्रेषित की जाएगी। एडीजे शर्मा ने बताया कि जिले के सभी स्पेशल विद्यालयों, सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों के विशेष रूप से सक्षमजन बालक-बालिकाओं को विधिक सेवा गतिविधियों से जोड़ने के लिये एवं विधिक जागरुकता बढ़ाने प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पशुधन सहायकों को दिया जायेगा कृत्रि म गर्भाधान का उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड जयपुर के आर्थिक सहयोग से संस्थान में उदयपुर एवं कोटा संभाग में कार्यरत पशुधन सहायक / पशु चिकित्सा सहायक का कृत्रिम गर्भाधान उन्नत तकनीक पाँच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जायेगा। राजकीय पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान, के उपनिदेशक डॉ. सुरेन्द्र छंगाणी ने बताया कि पशुओं में नस्ल सुधार कार्यक्रम के तहत विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम गर्भाधान में आउटकम परिणाम को केंद्रित रखकर पशुओं में ग्याभन होने की दर में वृद्धि करने का प्रयास किया जायेगा। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. पद्मा मील ने बताया कि प्रथम प्रशिक्षण 14 से 18 अक्टूबर तक आयोजित होगा। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुरेश शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी उन्नत पाठ्यक्रम सामग्री उपलब्ध कराई जायेगी एवं उनकी शंका समस्याओं का समाधान कर पशुपालकों को बेहतर सुविधा देने का प्रयास किया जायेगा।

पशु के बीमार होने पर टोल फ्री नम्बर 1962 पर दें सूचना, नि:शुल्क होगा उपचार

संजीवनी टुडे

सलूंबर। पशुओं के बीमार होने पर पशुपालक टोल फ्री नम्बर 1962 पर सूचना देकर निःशुल्क उपचार प्राप्त कर सकेंगे। पशुपालन विभाग की ओर से संचालित मोबाइल वेटरनरी यूनिट मौके पर पहुंचकर बीमार पशुओं का उपचार करेगी। बुधवार को पशुपालन विभाग द्वारा प्रदेश स्तर पर संचालित एकीकृत कॉल सेंटर की शुरूआत हुई। इस अवसर पर सलूंबर जिले में जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में मोबाइल वेटरनरी यूनिट की शुरुआत की गई पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय की मंशा के अनुसार बीमार पशुओं को उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई जाये।

उन्होंने जिले में संचालित मोबाइल वेटरनरी यूनिट की जानकारी लेते हुए कहा कि पशुपालकों को नियमानुसार विभागीय योजनाओं का लाभ देते हुए बीमार पशुओं का उपचार सुनिश्चित किया जाये। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के डॉ. हरिकेश मीणा ने एकीकृत कॉल सेन्टर और मोबाइल वेटरनरी यूनिट की जानकारी देते हुए बताया कि माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशीलता से बीमार पशुधन का निःशुल्क उपचार हो सकेगा। खुशहाल पशुपालक-समृद्ध राजस्थान के तहत पशुओं का घर पर ही निःशुल्क उपचार कराने के लिए मोबाइल वेटरनरी यूनिट की शुरुआत की गई। यूनिट को घर पर बुलाने के लिए अब पशुपालकों को टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल कर जानकारी देनी होगी। इसके बाद मोबाइल यूनिट पशुपालक के घर पहुंचेगी। यह एकीकृत कॉल सेंटर 9 अक्टूबर से शुरू हुआ है। डॉ. हरिकेश मीणा ने बताया कि सलूम्बर जिले में कुल 7 मोबाइल वेटरनरी यूनिट वाहनों का संचालन वर्तमान में किया जा रहा है। जिसमें एक पशु चिकित्सा अधिकारी, एक पशुधन सहायक एवं एक ड्राइवर कम हेल्पर कुल तीन का स्टाफ कार्यरत रहेगा।

कॉल सेंटर 1962 का संचालन प्रतिदिन (बिना अवकाश के सुबह 8:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक) किया जाएगा तथा चल पशु चिकित्सा इकाई का संचालन प्रतिदिन (बिना अवकाश के सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक) किया जाएगा। पशुपालकों को अपने पशुओं के रोगी होने पर कॉल सेंटर के हेल्पलाइन नंबर 1962 पर सूचना दर्ज करानी होगी तत्पश्चात कॉल सेंटर के द्वारा पशुपालक के नाम, ग्राम एवं रोग के लक्षण आदि की जानकारी प्राप्त कर सिस्टम पर दर्ज की जाएगी एवं लक्षणों के आधार पर सिस्टम में पूर्व में संधारित डाटा के अनुसार एवं कॉल सेंटर पर उपस्थित पशु चिकित्सक की सलाह से टिकट जनरेट की जाएगी सूचना का एक टेक्स्ट मैसेज पशुपालक के फोन पर तथा एक टेक्स्ट मैसेज संबंधित ग्राम से मैप की हुई चल पशु चिकित्सा इकाई के पशु चिकित्सा अधिकारी के फोन पर जाएगा इसके साथ ही चल पशु चिकित्सा इकाई के पशु चिकित्सा के फोन पर उपलब्ध मोबाइल एप्लीकेशन पर प्रदर्शित होगी पशु चिकित्सक तत्काल अपॉइंटमेंट बुक करते हुए रोगी पशु के स्थान के लिए प्रस्थान करेगा और उसका उपचार करेगा। डॉ. मीणा ने बताया कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में कॉल कर सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। पंचायत समिति सलूम्बर में दो मोबाइल वेटरनरी यूनिट वाहनों के 1962 कॉल सेंटर का लोकार्पण भाजपा के जिला परिषद सदस्य धर्मेंद्र मेहता, नेता प्रतिपक्ष एवं पंचायत समिति सदस्य सोहनलाल चौधरी, कीर्तिमान सेठ भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा अध्यक्ष, सौरभ कोठारी भाजपा जिला कार्यकारिणी युवा मोर्चा देहात, जयेश चौबिसा भाजपा आईटी सेल संयोजक, अमृतलाल प्रजापत युवा मोर्चा महामंत्री भारतीय जनता पार्टी एवं गौ रक्षक अंकित चौधरी की उपस्थिति में किया गया। पंचायत समिति सलूंबर के नेता प्रतिपक्ष सोहनलाल चौधरी ने बताया कि यह कॉल सेंटर 1962 द्वारा उपलब्ध सेवाएं पशुपालको के लिए वरदान साबित होगी।

एक बारिश भी नहीं झेल पाई 9 करोड़ की सड़क, एक तरफ का ट्रैफिक रोका

संजीवनी टुडे

उदयपुर ।यूडीए के एक जिम्मेदार अधिकारी ने नाम नहीं लिखने की शर्त पर बताया कि सड़क की खामियों को दूर कराएंगे। अभी सड़क गारंटी पीरियड में है। इसलिए ठेकेदार से ही पूरा काम कराया जाएगा। सड़क का केवल एक हिस्सा प्रभावित है। वह भी इस कारण कि यहां पहाड़ी से बरसाती पानी आया। काम की निगरानी के लिए लगाई गई थर्ड एजेंसी के अभियंता गौरव चंद ने बताया कि उन्होंने कंपनी छोड़ दी है। दूसरे अभियंता जितेंद्रसिंह नरूका ने बताया कि उनकी ओर से कारणों को जांचा जा रहा है।

पिछले साल फरवरी में हुए थे वर्कऑर्डर

ठेका कंपनी को 16 फरवरी 2023 को वर्क ऑर्डर जारी हुआ। फरवरी 2023 में टेंडर प्रक्रिया के बाद यूडीए ने सड़क को फोर लेन पैरामीटर के हिसाब से नया लुक देने का दावा किया था। डिवाइडर के अलावा दोनों ओर साढ़े 7-साढ़े 7 मीटर चौड़ी सड़क, पहाड़ी हिस्से में जहां बरसाती पानी आता है, वहां डामर की जगह सीसी सड़क बनाना, दोनों ओर नालियां बनाना तय हुआ था। चित्रकूट नगर, ईएसआई हॉस्पिटल की ओर बसी आबादी से गुजरने वाले ट्रैफिक को देखते हुए सड़क के इस हिस्से वाले छोर पर इंटर लॉकिंग पेवर ब्लॉक भी लगाए गए थे। डिवाइडर के दोनों तरफ कास्ट इन सीटू कर्व स्टोन लगाना भी तय था। पानी वाली जगह सीसी रोड बना, साइड मेंउदयपुर म्शहर में 9 करोड़ की लागत से तैयार सड़क एक बरसात भी नहीं झेल पाई। न्यू आरटीओ ऑफिस से सुखेर तिराहा वाया खेलगांव की इस रोड से डामर उखड़ गया और बड़े-बड़े गड्ढे हो गए।इसके बाद उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने सड़क के एक तरफ यातायात का संचालन बंद कर दिया है। अब एक ओर (वन-वे) से ही दोनों तरफ का ट्रेफिक निकाला जा रहा है। अब एक माह बाद भी सड़क में सुधार कर इसे खोला नहीं गया है। इससे पहले डीए (तब यूआईटी) ने 5.5 किमी लंबी इस सड़क पर प्रति किलोमीटर 1.62 करोड़लंबी इस सड़क पर प्रति किलोमीटर 1.62 करोड़ रु. खर्च कर इसे हाईवे का स्ट्रक्चर देकर हैवी वाहनों को गुजारने का दावा किया था। ये भी कहा गया था कि यह सड़क बनने के बाद सुखेर चौराहे पर जाने के बजाय सीधे न्यू आरटीओ की तरफ पहुंचा जा सकेगा। री-कार्पेटिंग ऑफ री-स्ट्रेंथनिंग के नाम से तैयार ये प्रोजेक्ट नवंबर 2023 में ही पूरा होना था, लेकिन 440 केवी सप्लाई के बिजली टावर और जलापूर्ति वाली पीएचईडी की लाइनों के कारण अब भी जारी है। यहां अभी 5 फीसदी काम बाकी है। यूडीए ठेका कंपनी को 7.90 करोड़ का भुगतान कर चुका है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा पहुंचे डूंगरपुर, हेलीपैड पर दिया गार्ड ऑफ ऑनर

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। राजस्थान प्रदेश मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा डूंगरपुर पहुंचे। डूंगरपुर पुलिस लाइन हेलीपैड पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी, आईजी एस परिमाला, जिला कलक्टर श्री अंकित कुमार सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन, जिला प्रमुख श्रीमती सूर्या अहारी, विधायक सागवाड़ा श्री शंकर लाल डेचा, पूर्व सांसद श्री कनकमल कटारा, पूर्व राज्य मंत्री श्री सुशील कटारा, समाजसेवी श्री हरीश पाटीदार, श्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय, नगर परिषद सभापति श्री अमृतलाल कलासुआ, उपसभापति नगर परिषद श्री सुदर्शन जैन, पूर्व विधायक श्री गोपीचंद मीणा, पूर्व विधायक श्रीमती अनीता कटारा, समाजसेवी श्री गुरु प्रसाद पटेल, श्री वेलजी भाई पाटीदार, श्री बंशीलाल कटारा, प्रधान सागवाड़ा ईश्वरलाल सरपोटा, प्रधान बिछीवाड़ा श्री देवराम रोत ने मुख्यमंत्री को पुष्प कुछ भेंट कर तथा माल्यार्पण कर स्वागत अभिनंदन किया। इस मौके पर पुलिस विभाग द्वारा मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का हेलीपैड पर मौजूद जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिको नहीं अभिनंदन किया तथा मुख्यमंत्री ने सभी से आत्मीय मुलाकात की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा गुरुकुल पीजी कॉलेज सिंटेक्स मिल के पास बिछीवाड़ा रोड बोरी डूंगरपुर के लिए रवाना हुए तथा वहां पर स्थानीय कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर एडीएम दिनेश धाकड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़, एसीईओ अनिल पहाड़िया, उपखंड अधिकारी डूंगरपुर नीरज मिश्र सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी गण मौजूद रहें।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर आंगनबाड़ी केंद्र पर मनाया बालिका जन्मोत्सव

संजीवनी टुडे

माचाड़ी(राजगढ़)। उपखंड के समीपवर्ती माचाड़ी कस्बे में बुधवार को आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र -5 पर महिला अधिकारिता विभाग अलवर के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में बालिका जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम से पूर्व महिला अधिकारिता विभाग से जुड़ी महिलाओं के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत विभिन्न प्रकार की रंगोली बनाकर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर रखा गया। इस अवसर पर यूनानी विभाग के डॉ रामदयाल मीना, आलोक शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी साथिन उर्मिला शर्मा माचाड़ी, सरोज सालोली, सुगन बबेली, मालती राजपूत सहित अनेक आंगनबाड़ी साथिनों ने भाग लिया।

जिले के सभी थानों ने अपने सोशल मीडिया पर लगाई प्रोफाइल

घर-घर जाकर महिलाओं व बालिकाओं से संवाद करेंगी सुरक्षा सखियां

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जिले में 5 से 20 अक्टूबर तक सुरक्षा सखी संवाद पखवाड़ा मनाया जा रहा है। प्रत्येक पुलिस थाने से तीन सुरक्षा सखी प्रशिक्षित की गई हैं। जो घर-घर जाकर महिलाओं व बालिकाओं से बातचीत कर रही हैं और समस्याएं सुनकर उनका समाधान करने का प्रयास भी कर रही हैं।

पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय महिलाओं के प्रति गंभीर एवं संवेदनशील है। पुलिस प्राथमिकताओं में भी महिला सुरक्षा विषय को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की गयी है। इसी दिशा में राज्य में महिलाओं/ बालिकाओं में स्वयं की सुरक्षा के प्रति जागरुकता लाने, उन्हे सुरक्षित वातावरण प्रदान किये जाने हेतु राज्य स्तर पर एक जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के अन्तर्गत सुरक्षा सखी सदस्यों द्वारा बालिकाओं / महिलाओं से संवाद स्थापित करने हेतु 05 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। उक्त जागरुकता अभियान के तहत प्रत्येक थाने से अधिकतम 03 सक्रिय सुरक्षा सखियों को अभियान में भाग लेने हेतु चिन्हित कर उन्हें कानून की जानकारी देने हेतु महिला अत्याचारों से संबंधित कानून एवं उनके कर्तव्यों, उत्तरदायित्वों को जानकारी प्रदान की जा रही हैं। सुरक्षा सखियों द्वारा अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर जाकर व्यक्तिगत रुप से महिलाओं/ बालिकाओं से सम्पके कर उनको महिला संबंधी कानूनों की जानकारी दी जावेगी तथा उनके द्वारा बताई गई समस्याओं / सुझावों से स्थानीय पुलिस थानें को अवगत कराएगी। उक्त अभियान का जिला पुलिस के सभी सोशल मीडिया अकाउंट यथा फ़ेसबुक, इन्स्टाग्राम एवं एक्स पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। सावा के विज्डम पब्लिक स्कूल में सुरक्षा सखी द्वारा बालिकाओं को बेड़ टच, गुड टच के बारे में जानकारी दी गई। मंडफिया थानाधिकारी शीतल गुर्जर द्वारा मंडफिया थाने पर मीटिंग ली गई। भदेसर कस्बे में सुरक्षा सखियों द्वारा महिलाओं से बातचीत कर कानून संबंधी जानकारी दी गई। बिजयपुर के बालिका विद्यालय में, कनेरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में, भोपाल सागर, रावतभाटा, बस्सी भैंसरोड़गढ़, साडास, डूंगला सहित जिले के कई थानों व कस्बों में सुरक्षा सखियों द्वारा बालिकाओं को बेड़ टच, गुड टच एवं कानून संबंधी जानकारी दी गई। महिला थाने के स्टाफ द्वारा स्कूली बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया। एएसपी महिला अपराध एवं अनुसंधान सेल मुकेश सांखला ने बताया कि 18 अक्टूबर को उदयपुर के यूनिसेफ द्वारा एक सेमिनार का आयोजन किया।

अविकानगर में एकदिवसीय ब्रेन स्टोर्मिंग सेशन का हुआ आयोजन

संजीवनी टुडे

मालपुरा (टोंक)। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर मे कल बुधवार 09 अक्टूबर को एक दिवसीय ब्रेनस्टोर्मिंग सेशन "बदलते वातावरण परिस्थिति मे छोटे पशुओ के लिए पोषण चुनौतीयों, प्रबंधन एवं उत्पादन पर विभिन्न संभव स्ट्रेटेजी" पर विस्तार से संवाद किया गया। कार्यक्रम को पशुविज्ञान उप-माहनिदेशक डॉ राघुवेंद्र भट्टा, डॉ विष्णु शर्मा पूर्व कुलपति राजुवासु, डॉ अरुण कुमार तोमर, डॉ आर के सवाल कार्यकारी निदेशक ऊट अनुसन्धान संस्थान बीकानेर, डॉ अजय कुमार शिंदे, डॉ जेएस मान, डॉ प्रवीण कुमार मलिक व डॉ आनंदम के साथ देश के पशु पोषण एक्सपर्टस सेशन मे विभिन्न पोषण के उपलब्ध संसाधनों एवं बेहतर पशु प्रजनन ओर स्वास्थ्य सहयोगी पोषण पर भी चर्चा एवम सुझाव दिये गये । कार्यक्रम सेशन को संचालन मे पशु पोषण विभाग अध्यक्ष डॉ रणधीरसिंह भट्ट, डॉ एस के सख्यान, डॉ ओमहरी चतुर्वेदी, डॉ सरोबाना सरकार व रणजीत गोदारा विभिन्न गतिविधियों मे सहयोग कर वर्तमान सेशन की सुझाव को संकलन कर रहे है। ब्रेन स्टोर्मिंग सेशन मे भेड़-बकरी के लिए बेहतर उत्पादन के लिए वर्षभर गुणवत्तायुक्त पोषण प्रबंधन पर एक्सपर्टस अपने अपने अनुभव व सुझाव से भविष्य के हिसाब से बेहतर पोषण प्रबंधन मॉडल विकास के लिए नई शोध अवसर सुझाव देंगे। इस अवसर पर अथितियों द्वारा संस्थान के विभिन्न प्रकाशन का विमोचन भी किया गया। डॉ सरोबाना सरकार वैज्ञानिक द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया।

सरकार गौशालाओं के अनुपात से दुगुनी भूमिका आवंटन करें चौबिसा

व्यक्तिगत जर्सी हॉलिस्टीन गोवंश नहीं लेगी गौशालाएं

संजीवनी टुडे

उदयपुर। जिले की पंजीकृत गौशालाओं के संगठन ने मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया। जिला गौशाला संगठन अध्यक्ष प्राणी मित्र श्यामलाल चौबीसा ने बताया कि आज गौशाला के द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया जिसमें प्रमुख रूप से गौशाला में संधारित गोवंश के अनुपात में भूमि होना आवश्यक है ।

भूमि बराबर नहीं होने से गोवंश को ठूस ठूस के रखा जाता है और गोवंश के साथ न्याय नहीं होता। जबकि 100 गोवंश के लिए 6 बीघा भूमिका प्रावधान होता है और ऐसे में एक गौशाला में 200 गोवंश होने पर भी दो बीघा में गौशाला का संचालन किया जाता है तो गोवंश को व्यवस्थित रखने की सुलभता नहीं हो पाती इसलिए गोवंश को ठोस ठोस कर रखा जाता है इसलिए सरकार अपने माध्यम से सूचना मंगवाए कि जितने गोवंश है गौशाला में है उसके अनुपात में भूमि दुगुनी भूमि का आवंटन हो। अश्विनी ने गौशाला में मजदूर की समस्या विशेष रूप से रहती है गौशाला में कार्य करने वाले मजदूरों को नरेगा योजना से जोड़ा जाना चाहिए जिससे गौशाला में कार्य करने वाले मजदूरों की समस्या से निजात मिल सके। शालिनी राजावत संगठन मंत्री नेअवैध रूप से जो भी गोवंश ले जा जाता है जिन्हें गो भक्तो को द्वारा पकड़ा जाता है तो उन्हें डायरेक्ट गौशाला में नहीं रखा जाएगा उन्हें पुलिस प्रशासन के माध्यम से रिपोर्ट दर्ज करा कर गौशाला में सुपुर्द दिया जाए ताकि सुलभता रहे । गजेंद्र ओदीच्य महामंत्री के अनुसार डेयरी संचालक एवं पशुपालक जर्सी हॉलिस्ट्रीम विदेशी नस्ल की गायों को रखकर दूध दूह लेते हैं और अंत में दूध देना बंद कर दे अनुपयोगी होने पर वह छोड़ देते और गौशाला में रखना आते हैं जो बीमारी का घर होती है । व्यक्तिगत गोवंश को गौशाला लेने के लिए बाध्य नहीं है ।गौशाला निराश्रित असहाय के लिए है । गौशाला वाले व्यक्तिगत जर्सी हॉलिस्ट इन गायों को गौशाला में नहीं रखेगी क्योंकि उनकी मृत्यु दर 90% होता है और जिस गौशालाए बदनाम होती है।। गौशालाएं किसी के दबाव में कार्य नहीं करती गौशालाएं सरकार और समाज का काम कर रहे हैं इसलिए सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि पुलिस प्रोटेक्शन गौशालाओं को सदैव मिलता रहे। गौशाला में निश्चित रूप से असहाय के लिए है जो गोवंश गौशाला में आता है तो प्रायः कमजोर और वृद्ध होते है ऐसी स्थिति में उनके मृत होने पर उनके निस्तारण की व्यवस्था स्थानीय पंचायत नगर पालिका नगर परिषद या नगर निगम को दिलाया जाए। एवं स्थानीय सरकारी एजेंसी को निर्देशित करें कि गोवंश को निस्तारण हेतु भूमि का भी आवंटन प्रशासन अपने स्तर करें।। इस अवसर पर गजेंद्र ओदीच्य महामंत्री शालिनी राजावत संगठन मंत्री अश्विनी कोषाध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य सुमन बोस संरक्षक आदि गोपालक उपस्थित रहे। ज्ञापन की प्रति अतिरिक्त निदेशक पशुपालन डॉक्टर शरद अरोड़ा का भी प्रदान की गई ताकि उन्हें भी निर्देशित करने में सुलभता रहे।

सदर निंबाहेड़ा थाना पुलिस की अवैध मादक पदार्थो के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

संजीवनी टुडे

आई-20 कार से तीन किलो 420 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स के साथ एक आरोपी गिरफतार

चित्तौड़गढ़। जिले की सदर निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र में हाईवे पर नाकाबंदी के दौरान अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ बडी कार्यवाही करते हुए तीन किलो 420 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स सहीत आई -20 कार को जप्त कर ओसियां निवासी एक आरोपी गिरफतार किया है। जप्त माल की कीमत करीब सात करोड रूपये है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि जिले में समस्त थानाधिकारीयों को जिले में अवैध मादक पदार्थो की खरीद-फरोख्त व परिवहन एवं भण्डारण करने वालों के खिलाफ कार्यवाही के तहत एएसपी परबत सिंह व डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्रीलाल राव के मार्गदर्शन में थानाधिकारी सजंय शर्मा पुनि द्वारा पुलिस जाप्ते सहीत पुलिस थाने के सामने चित्तौडगढ निमच हाईवे पर नाकाबंदी की जा रही थी। नाकाबंदी के दौरान निमच की तरफ से एक सदिग्ध आई 20 कार आती हुई दिखाई दी जिसे पुलिस जाप्ते ने रूकवाने का प्रयास किया तो कार चालक ने तेज गति से भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस जाप्ते ने बडी मुश्किल से रोका व आई -20 कार की तलाशी ली तो कार की ड्राईवर सीट के निचे दो थैलियों में भरी हुई तीन किलो 420 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स मिली जिसे नियमानुसार जप्त की गई। कार चालक रोशनलाल पुत्र आज्ञाराम विश्नोई उम्र 22 साल निवासी खावो की ढाणी केरलानाडा बीकमपुर थाना मातौडा जिला जोधपुर ग्रामीण को गिरफ्तार कर लिया है। सदर निम्बाहेडा थाने पर आरोपी चालक के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रीम अनुसंधान किया जा रहा है। जब्त एमडीएमए ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब सात करोड़ रुपये हैं। सजंय शर्मा थानाधिकारी मय जाप्ता एएसआई सुन्दरपाल, कानि जीवनलाल, विक्रम सिंह, धर्मचन्द, दयाराम, सुर्यभान सिंह व महावीर सिंह आदि रहे।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

ऑनलाइन क्लासों के आने लगे हैं दुष्प्रभाव सामने

दुनिया भर में लॉकडाउन के चलते सभी स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। भारत के स्कूलों में मार्च में परीक्षाएं हो जाती हैं और अप्रैल में फिर ने नयी कक्षाएं शुरू हो जाती हैं। लेकिन स्कूल बंद होने के कारण इस बार बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाई है। इस समस्या का खासकर प्राइवेट स्कूलों ने डिजिटल माध्यम से बच्चों को शिक्षा देने का उपाय निकाला। जिसमें ऑनलाइन क्लासेस वाट्सएप ग्रुप बना कर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। लेकिन इन माध्यमों में जो पठन सामग्री बनाई गयी है या भेजी जा रही है वो बच्चों को ध्यान में रखते हुये नहीं बनाई गयी है। ज्यादातर स्कूल पुराने अपलोडेड वीडियो जगह-जगह से उठाकर बच्चों को शेयर कर रहे हैं। सामग्री पाठ्यक्रम अनुरूप न होने के कारण इसे समझने में बच्चों को परेशानी हो रही है। वैसे तो देश के कई स्कूल ऑनलाइन पढ़ाई करवा रहे हैं। लेकिन तमाम स्कूल ऐसे भी हैं जो सुविधा सम्पन्न नहीं है, ऐसे में वो ऑनलाइन पढ़ाई करवा पाने में असमर्थ हैं। वैसे भी ऑनलाइन पढ़ाई के लिए बच्चों के पास भी तो मोबाइल और लैपटॉप की व्यवस्था होनी जरूरी है। जब भारत में केवल 24 फीसदी घरों तक ही इंटरनेट की उपलब्धता है तो ऑनलाइन शिक्षा की सार्थकता पर स्वयं सवाल उठ जाते हैं। ऐसे में ऑनलाइन शिक्षा से वंचित छात्रों के अभिवावकों का चिंतित होना स्वाभाविक है। असल में स्कूल प्रबंधन चाह रहा है कि लॉकडाउन के दौरान बच्चे शिक्षा से विमुख न हों। वो नयी क्लास के हिसाब से अपना पाठयक्रम पढ़ें। ऑनलाइन पढ़ाई में कई व्यवाहारिक दिक्कतें भी हैं, लेकिन लॉकडाउन में जब स्कूल खोलना खतरे से खाली नहीं है, ऐसे में ऑनलाइन क्लास ही बड़ा सहारा है। ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान घर में बच्चों को स्क्रीन पर घंटों बैठना पड़ रहा है। बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्यादातर प्राइवेट स्कूलों का शिक्षा माध्यम अंग्रेजी है जिसे स्वयं से समझना इन बच्चों के लिए बहुत मुश्किल है। दूसरी बड़ी चुनौती इन बच्चों के ऑनलाइन क्लासेस के लिए आवश्यक संशाधनों का न होना है। ऑनलाइन क्लासेस के लिए एंड्रयाड फोन/कम्प्यूटर/टैबलेट, ब्राडबैंड कनेक्शन, प्रिंटर आदि की जरूरत होती है। ज्यादातर ग्रामीण बच्चों के परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं होती उसके चलते उनके पास डिजिटल क्लासेस के लिए आवश्यक उपकरण नहीं होते हैं जिसके कारण ये क्लास नहीं कर पा रहे जबकि इस समय इन बच्चों के क्लास के अन्य साथी ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं। गिनने लायक परिवार ही ऐसे होगें जिनके पास ये उपकरण उपलब्ध होंगे।

लोकल सर्कल नाम की एक गैर सरकारी संस्था ने एक सर्वे किया है जिसमें 203 ज़िलों के 23 हज़ार लोगों ने हिस्सा लिया। जिनमें से 43% लोगों ने कहा कि बच्चों की ऑनलाइन क्लासेस के लिए उनके पास कम्प्यूटर, टैबलेट, प्रिंटर, राउटर जैसी चीज़ें नहीं है। ग्लोबल अध्ययन से पता चलता है कि केवल 24% भारतीयों के पास स्मार्टफोन है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण रिपोर्ट 17-18 के अनुसार 11% परिवारों के पास डेस्कटॉप कंप्यूटर/ लैपटॉप/नोटबुक/ नेटबुक/ पामटॉप्स या टैबलेट हैं। इस सर्वे के अनुसार केवल 24% भारतीय घरों में इंटरनेट की सुविधा है, जिसमें शहरी घरों में इसका प्रतिशत 42 और ग्रामीण घरों में केवल 15% ही इंटरनेट सेवाओं की पहुँच है। इंटरनेट की उपयोगिता भी राज्य दर राज्य अलग होती है जैसे दिल्ली, केरल, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड जैसे राज्यों में 40% से अधिक घरों में इंटरनेट का उपयोग होता है वहीं बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में यह अनुपात 20% से कम है। स्कूलों द्वारा डिजिटल पढ़ाई के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाये जा रहे हैं और उसमें स्कूल रिकॉर्ड में बच्चों के दिए गए नंबरों को जोड़ा जा रहा है लेकिन इन बच्चों के पास फ़ोन ही नहीं है, रिकॉर्ड में जो नम्बर होते हैं वो परिवार के किसी बड़े के होते हैं क्योंकि इन बच्चों के अपने फ़ोन तो होते नहीं हैं बल्कि कई बार ये भी होता है कि पूरे घर के लिए एक फ़ोन होता है और जिसका सबसे ज्यादा उपयोग परिवार का मुखिया करता है, या फोन में वाट्सएप ही नहीं है तो बच्चे कैसे पढ़ पायेंगे। एक दिक्कत नेटवर्क की भी सामने आ रही है। लॉकडाउन के कारण अभी इंटरनेट का उपयोग बहुत हो रहा है, जिसके चलते स्पीड कम हो गयी है, इन बच्चों के परिवार के पास नेट प्लान भी कम राशि का होता है, जिससे नेट में बार-बार रुकावट आती है, पठन सामग्री डाउनलोड होने में ज्यादा समय ले रही है, क्वालिटी भी खराब होती है जिससे उसे पढ़ना और समझना बच्चों के लिए मुश्किल होता है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

चैनल डिबेट की आक्रामकता में धुंधलाता सौहार्द

विचार बिन्दु

यह कैसा अल्पसंख्यकवाद है? यह भी लोकतंत्र की भावना के सर्वथा विरुद्ध है। निःसंदेह सबको अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्राप्त है और यह स्वतंत्रता लोगों को अरुचिकर और अप्रिय लगने वाली बातें कहने का भी अधिकार देती है, लेकिन इस अधिकार की अपनी एक सीमा है। यह खेद की बात है कि ज्ञानवापी प्रकरण में जारी बहस के दौरान कई बार भाषा की मर्यादा का उल्लंघन होते हुए दिखा।

ललित गर्ग

इस्लाम एवं पैगम्बर पर टिप्पणी के बाद देश-विदेश खासकर खाड़ी देशों में घिरी भारतीय जनता पार्टी ने अपने दो प्रवक्ताओं नूपुर शर्मा एवं नवीन कुमार जिंदल पर एक्शन लेते हुए उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि हम सभी धर्मों और उनके पूजनीयों का सम्मान करते हैं। किसी का अपमान स्वीकार नहीं है। भाजपा की यह कार्रवाई इन दोनों नेताओं के साथ उन सभी के लिए एक सबक बननी चाहिए जो सार्वजनिक विमर्श में शामिल होते हैं और प्रायः भाषा की मर्यादा का उल्लंघन करते हैं। संवाद और सार्वजनिक विमर्श में भाषा की मर्यादा का अपना एक स्तर होता है और उसे बनाए रखना सबका साझा दायित्व है। आजकल चैनलों पर डिबेट की आक्रामकता निम्नस्तर तक पहुंच गयी है, जो राष्ट्रीय मूल्यों को आहत करने के साथ-साथ इलेक्ट्रोनिक मीडिया एवं पत्रकारिता के आदर्शों को भी धुंधला रही है। पिछले लम्बे समय से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में डिबेट का चलन बहुत अधिक बढ़ा है। यह डिबेट कुछ बेहतर परिणाम दे या न दे, लेकिन समाज एवं राष्ट्र को नुकसान अवश्य पहुंचाती हैं। जब संवेदनशील मामलों और विशेष रूप से धार्मिक बहस के समय भाषा की मर्यादा टूटती है, तो उसका कहीं अधिक प्रतिकूल असर पड़ता है और कभी-कभी तो लोग सड़कों पर उतरकर हंगामा और हिंसा करने लगते हैं। दुनिया में भारत की छवि भी आहत होती है। यही नहीं विवादित अथवा आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वालों को धमकियां दी जाने लगती हैं। अब जो बहसें हो रही हैं और उनके जो विषय होते हैं, उससे समाज को लाभ कम नुकसान ज्यादा होता है। हम पिछले कई महीनों की प्रमुख चैनलों की डिबेट का आकलन करें तो यह सिवाए हिन्दू मुसलमान को आपस में बांटने एवं लड़वाने के और कुछ नहीं रही हैं। एंकर बहस की शुरुआत चाहे जितने ही सामाजिक विषय से करे, वह अंत मे पहुंचता सिर्फ हिन्दू मुसलमान पर ही है। क्या इसी दिन के लिए यह प्रोग्राम बनाए गए थे, बल्कि सोचा गया था कि बहस से कोई रास्ता निकलेगा और वह समाज को रास्ता दिखाएगा मगर इन बहसों ने तो रास्ता दिखाने की जगह रास्ते बांटने का काम कर दिया है। दिलों को जोड़ने की बजाय तोड़ने का काम किया है। टीवी डिबेट में आधे घंटे से लेकर घंटे भर तक कोई भी प्रोग्राम उठा लीजिये, उसका निचोड़ केवल धार्मिक बंटवारा ही निकलेगा, इंसान-इंसान के बीच दूरिया एवं फासले पैदा करना ही निकलेगा। कभी किसी की टोपी उछाली जाएगी तो कभी किसी के तिलक को मज़ाक बनाया जाएगा। यह बहसें जो राजनैतिक होनी चाहिए थीं, वह व्यक्तिगत और धार्मिक हो रही हैं, इसका लाभ किसे मिलेगा, सिवाए तोड़ने वालों के। चैनल्स की डिबेट्स का मकसद था कि समाज के लिए बेहतर चीज़ मंथन के बाद निकालना मगर इधर कुछ एंकर्स, चैनल्स और प्रवक्ताओं ने इसे मंथन की जगह युद्ध और आक्रमण में बदल दिया है। ऐसा लगता है कि इन डिबेट की सारी कवायद उजालों पर कालिख पोतने का ही प्रयास होता है। यहां बदले रुख में कोई भी राजनैतिक दल कम और ज्यादा प्रभावित तो हो सकता है मगर सभी इस विष को गले लगाए हैं। बताइए गला फाड़-फाड़ चीखने से समस्या का हल निकलेगा या समस्या पैदा होगी? मगर हममें से कोई भी ठहरकर, रुककर इस बिगड़ते हुए डिबेट कल्चर पर बात नहीं करना चाहता है। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक एवं आक्रामक बहसों से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। इसलिये इस बहस-संस्कृति पर गंभीर विमर्श की अपेक्षा है। इसको एक आचार-संहिता में बांधा जाना चाहिए। यह दायित्व इसलिए और अधिक बढ़ गया है, क्योंकि इंटरनेट मीडिया के साथ टीवी चैनलों पर होने वाली चर्चा में अक्सर शालीनता, संयम, अनुशासन और गरिमा के दायरे से बाहर निकलकर तीखी-ओछी, घिनौनी, अशिष्ट एवं अभद्र टिप्पणियां की जाती हैं। टीवी डिबेट से जुड़े सभी लोग, उनमें मीडियाकर्मी भी हैं, राजनैतिक दलों के प्रवक्ता भी हैं, विषयों के जानकार भी हैं, धर्म-विशेष के प्रतिनिधि, पत्रकार और एक्सपर्ट भी हैं और बहुत बड़ा वर्ग दर्शकों का भी है। सबको मिलकर सोचना होगा कि जो हम कर रहे हैं, वह समाज एवं राष्ट्र हित में है भी या नहीं। यह जो डिबेट्स हैं, यह भारत की आत्मा को जोड़कर मज़बूत कर रही हैं या बांटकर छलनी कर रही हैं। इसमें व्यक्तिगत हमले हो रहे हैं या विषय पर सार्थक बात हो रही है। इन बहसों से अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक का जो माहौल बना है, वह देश के लिए बुरा है, होना तो यह था अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक को साथ लाने एवं जोड़ने के प्रयत्न करने चाहिए थे, जो कि मुश्किल भी नहीं था, क्योंकि मूलतः यह आज भी साथ हैं मगर चैनल्स और उनके एजेंडे से लैस एंकर्स ने इनको साथ लाने की जगह तोड़ने का अधिक काम किया है। हम सबको सोचना होगा कि देश के लिए क्या बेहतर है। ऐसी बेतुकी गर्मागर्म बहसों से चैनल की टीआरपी तो बढ़ सकती है मगर देश कमज़ोर होता है। जब एंकर चीखता है तो समझ लीजिए उसके पास कहने को कुछ खास नहीं है, सिवाए चिल्लाने के, जब वह पैनलिस्ट को उकसाता है तो मान लीजिए यह विषय से कंगाल है। जब कोई प्रवक्ता व्यक्तिगत हमले करता है, तो समझ जाइये की वह अपनी खिसियाहट मिटा रहा है। जैसे ही वह हिन्दू मुसलमान पर आ टिके तो समझ लीजिए कि वह देश और समाज को समझने में दरिद्र है, वह विचार से कंगाल है, इसलिए बस इसके पीछे छिपकर अपनी अज्ञानता पर कुतर्कों का पर्दा डाल रहा है। इन बहसों और ऐसे मनोवैज्ञानिक प्रभाव से खुद, समाज एवं राष्ट्र को बचाइए, यह सबको बीमार कर देंगी। चैनलों पर होने वाली परिचर्चाएं 'मुर्गे की लड़ाई' बनती जा रही है। समाज का बहुत बड़ा तबक़ा ऐसा भी है जिसे लगता है कि चैनलों पर होने वाली परिचर्चाओं पर पाबन्दी लगायी जानी चाहिए या इनके गिरते स्तर पर नियंत्रण किया जाना चाहिए। यह कैसा विरोधाभास एवं विडम्बना है कि अल्पसंख्यक के नाम पर एक सम्प्रदाय विशेष, वर्ग-विशेष की सारी गलतियां माफ कर दी जाती है। ऐसे लोग, जो स्वभाव से ही राष्ट्र की प्रगति, एकता एवं सौहार्द-भावना को सहन नहीं कर सकते, बिना किसी कारण जो विवाद खड़े करना चाहते हैं, वे ईर्ष्या और मात्सर्य की भावना से प्रेरित होकर विरोध करते हैं। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदू मंदिरों के प्रतीक चिह्नों के साथ शिवलिंग मिलने की बातों की किस तरह खिल्ली उड़ाई गई और शिवलिंग को लेकर कैसी ओछी, भद्दी और हिंदू जनमानस को आहत करने वाली टिप्पणियां भी की गईं। क्या इन सबके खिलाफ भी कोई कार्रवाई होगी? एक सवाल यह भी है कि क्या कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वाले भाजपा प्रवक्ताओं को जान से मारने और यहां तक कि सिर तन से जुदा करने की खुलेआम धमकियां देने वालों के खिलाफ भी कोई कार्रवाई होगी? यह न केवल हैरानी, बल्कि गंभीर चिंता की बात है कि ऐसे उन्मादी तत्वों के खिलाफ कोई कार्रवाई होती नहीं दिख रही है। कानून के शासन का तकाजा यही कहता है कि जब इस्लाम एवं पैगम्बर पर टिप्पणी पर कार्रवाई होती है तो हिन्दू देवी-देवताओं एवं प्रतीकों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले लोगों पर भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, बल्कि उन तत्वों को भी हतोत्साहित भी किया जाना चाहिए जो भारत में ईशनिंदा का कानून बनाने की पैरवी करते रहते हैं। उन्हें हिन्दू नाम से ही एलर्जी है। तरस आता है उन संकीर्ण, आक्रामक, कट्टरवादी लोगों की बुद्धि पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करते हैं, आकाश में पैबंद लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर सागर की यात्रा करना चाहते हैं। भारत में रहकर भारत को गाली देना एवं पाकिस्तान के गुण गाना, यह कैसी राष्ट्रीयता है?

गीता जयंती का क्या है महत्व ! इस तरह करेंगे पूजा तो मिलेगा अभीष्ट लाभ

गीता जयंती, यह दिन श्रीमद् भगवद्गीता की प्रतीकात्मक जयंती के रूप में मनाया जाता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवद्गीता के दर्शन मात्र का बड़ा लाभ होता है। यदि इस दिन गीता के श्लोकों का वाचन किया जाए तो मनुष्य के पूर्व जन्म के दोषों का नाश होता है। सनातन धर्म में इसका अत्यधिक महत्व है। कहा जाता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र में उस वक्त गीता का ज्ञान दिया था जब वह अपने कर्म पथ से भटकने लगे थे। हिंदू पंचांग के अनुसार इसे मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी पर मनाया जाता है। इसे गीता का प्रतीकात्मक जन्म दिन माना जाता है। यहां हम आपको गीता जयंती से जुड़े कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं, जिन्हें करने से मनुष्य कभी भी कर्म पथ से नहीं भटकता साथ ही उसके पास धन, ऐश्वर्य, समृद्धि, बुद्धि, साहित्य एवं संस्कारों का बसेरा रहता है। वह सदा ही अभिमान, अहंकार, लालच, काम, क्रोध, द्वेष से दूर रहता है। गीता जयंती के दिन श्रीमद भगवद्गीता के दर्शन करें, इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर उनसे सदा ही सद्बुद्धि देने के लिए प्रार्थना करें। संभव हो तो गीता कुछ श्लोकों को भी पढ़कर उनका अर्थ समझने का प्रयास करें। सहित ऐसे अनेक श्लोक हैं जिन्हें पढ़ने और उनका अर्थ समझने से मनुष्य को जीवन के कष्टों से ना सिर्फ मुक्ति मिलती है, बल्कि वह जीवन के उस पथ को प्राप्त करता है जिसका ज्ञान स्वयं जगतज्ञानी परमेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया है। इस दिन शंख का पूजन करना भी लाभकारी बताया गया है। पूजन के उपरांत शंख की ध्वनि से बुरी शक्तियां दूर होती हैं और लक्ष्मी का आगमन होता है। इस पूजन से भगवान विष्णु अत्यंत प्रसन्न होते हैं। इस दिन भगवान कृष्ण के विराट स्वरूप का पूजन भी अत्यंत ही उत्तम माना गया है। कहा जाता है कि इससे समस्त बिगड़े हुए काम बनते हैं एवं मनुष्य के जीवन में शांति का आगमन होता है। यदि परिवार में कलह, क्लेश या झगड़े से संबंधित समस्याएं हैं तो गीता जयंती से ही भगवद्गीता के दर्शन करना प्रारंभ करना चाहिए, माना जाता है कि इससे मनुष्य में सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। जिनके घर पर श्रीमद्भगवद्गीता नही है उनके लिए इस दिन इस पवित्र धार्मिक ग्रंथ को अपने घर लाना अत्यंत ही शुभ एवं लाभकारी माना गया है। कहा जाता है कि इससे मां लक्ष्मी सालभर के लिए घर में विराजमान होती हैं तथा कठिन परिस्थितियों में भी मनुष्य पथभ्रष्ट नहीं होता।

10 अक्टूबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1756	ब्रिटिश गवर्नर जनरल रॉबर्ट क्लाइव ने कलकत्ता पर पुनः कब्जे के लिए मद्रास से कूच किया।
1846	ब्रिटिश खगोलविद विलियम लासेल ने नेपच्यून के प्राकृतिक उपग्रह की खोज की।
1868	क्यूबा ने स्पेन से स्वतंत्रता पाने के लिए विद्रोह किया।
1910	वाराणसी में मदन मोहन मालवीय की अध्यक्षता में प्रथम अखिल भारतीय हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था।
1924	शिकागो में स्थित लोयोला विश्वविद्यालय के लेक शोर परिसर में अल्फा डेल्टा गामा बिरादरी की स्थापना की गई।
1942	सोवियत संघ ने आस्ट्रेलिया के साथ अपने राजनयिक संबंध की शुरुआत की।
1964	टोकियो में हुए ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का पहली बार दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण किया गया।
1970	फिजी ने स्वतंत्रता हासिल की।
1971	अमेरिका के एरिजोना के लेक हवासु शहर में लंदन ब्रिज को पुनर्निर्मित किया गया। इसे ब्रिटेन से ख़रीदकर तोड़कर अमेरिका लाया गया था।
1978	रोहिणी खादिलकर राष्ट्रीय चेस प्रतियोगिता जीतने वाली प्रथम महिला बनी।
1990	अमेरिका का 67वां मानव अंतरिक्ष मिशन डिस्कवरी 11 अंतरिक्ष से लौटा।
1991	भारत ने विश्व कैरम प्रतियोगिता का टीम खिताब जीता।

शादी-ब्याह, तीज-त्यौहार, मेलों में थिरकना भील लोक नृत्य की विशेषता

विचार बिन्दु

पन्नालाल मेघवाल
वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार

मेवाड़ क्षेत्र में उदयपुर, राजसमंद, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा जिलों में भील आबादी बहुतायत से निवास करती है। भौतिक साधनों से दूर प्रकृति के सुरम्य वातावरण एवं प्रकृति की गोद में पले ये प्रकृति पुत्र मस्त एवं स्वच्छंद स्वभाव के होते हैं। इनमें लोकानुरंजन के गुण बचपन से ही पनपने लगते हैं। भील शब्द द्रविड़ भाषा के बिल शब्द से निकला है, जिसका अर्थ कमान है। तीर कमान चलाने में निपुणता होने के कारण इनका नाम भील पड़ा। आदिम सभ्यता और संस्कृति के धनी इन भीलों की अभिव्यक्ति इनके लोक नृत्य एवं लोकगीतों से मुखरित हुई। लोक नृत्य इनके सांस्कृतिक व धार्मिक अवसरों को इंगित करने के साथ-साथ संपूर्ण जीवन में छाई मस्ती एवं कलात्मक झलकियां के सूचक हैं। भीलों में नृत्य करना जीवन का अंग है। शादी ब्याह तीज त्यौहार एवं मेलों के अतिरिक्त थोड़ी सी प्रसन्नता होने पर घर का आंगन नृत्य की थिरकन से सजीव हो उठता है। वे अपने सारे दिन की थकान को लोक नृत्य और गीत के माध्यम से दूर करते हैं।

मेवाड़ क्षेत्र में भीलों के लोक नृत्य अपनी पृथक विशेषता रखते हैं। चांदनी रात में खुले आकाश के बीच महिलाएं एवं पुरुष खुलकर नृत्य करते हैं। भीलों के विवाहोत्सव पर जहां एक ओर रूखे-सूखे भोजन से ही आतिथ्य करते हैं वहां दूसरी ओर नृत्य गीत की बहार आ जाती है। इसके अतिरिक्त मेले हों या त्यौहार भील इसे नाचते गाते मनाते हैं। एक गांव से दूसरे गांव जाते समय स्त्री पुरुष हाथों में हाथ डालकर मस्ती से नाचते गाते मीलों का सफर आसानी से तय करते हैं। भील समुदाय के इन प्रकृति पुत्रों के नृत्य और गीतों में प्राकृतिक समरसता होती है। इनके लोकगीत कृषि, तीर्थ, युद्ध, विवाह, अकाल, मेले आदि प्रसंगों से संबंधित होते हैं। सामाजिक रीति रिवाज, खानपान तथा जीवन की झलक इनके लोकगीतों में मिलती है। इनके नृत्य अधिकांशतः वृत्ताकार में होते हैं, जिसे पुरुष एवं स्त्रियां सम्मिलित रूप से करते हैं। लेकिन कुछ नृत्य केवल पुरुष एवं कुछ नृत्य केवल स्त्रियां ही करती हैं। गीत उनके लिए स्वर और लय प्रदान करने का माध्यम है तथा नृत्य केवल पुरुष उस उल्लास की परिणति है। ये अलग-अलग प्रसंगानुसार गीत गाते हैं और उसके साथ नृत्य करते हैं।

भील लोक नृत्य में स्त्री और पुरुष भाग लेते हैं। गोल घेरे में नृत्य होता है। स्त्री एवं पुरुष एक ही घेरे में होते हैं। आधा वृत्त स्त्रियों का एवं आधा वृत्त पुरुषों का होता है। स्त्रियां एक दूसरे के कंधे पर हाथ रखे होती हैं, जबकि पुरुष हाथों को स्वतंत्र रूप से घूमाते हैं। ढोल एवं थाली इस नृत्य के प्रमुख वाद्य हैं। इस नृत्य की चाल विशेष प्रभावी होती है। गीत की एक पंक्ति पुरुष गाते हैं और एक पंक्ति स्त्रियां गाती हैं। गीत के बीच बीच में पुरुष किलकारियां मारते हैं। इस नृत्य का प्रमुख गीत है:-

ढोलीडा वजाडू तेरो देश, लाडण लेई जाऊं मारे देश।

थालियो वजाडू तेरो देश, लाडण लेई जाऊं मारे देश।

मेवाड़ क्षेत्र के भील समुदाय द्वारा घूमरा नृत्य किया जाता है। इस नृत्य में महिलाएं अर्ध वृत्ताकार में एक पंक्ति में खड़ी हो जाती हैं। इनके दो दल होते हैं। एक दल का गाता है तो दूसरा उसकी पुनरावृति करता है या उसके उत्तर की पंक्ति गाकर नाचता है। जब दूसरा दल गाता है तो पहला दल नाचता है। इस प्रकार अर्ध वृत्त पूरे वृत्त की परिधि में घूमता है। नृत्य अनवरत चलता रहता है। कुछ स्थानों में एक ही अर्ध पंक्ति नृत्य करती है और वही गाती है। इस प्रकार के नृत्य में केवल किशोरियां ही भाग लेती हैं। गीत के माध्यम से उत्तर प्रत्युत्तर स्वयं देती है। एक पंक्ति का नृत्य प्रायः कम होता है, दो दलों का नृत्य लंबे समय तक चलता रहता है। उत्तर प्रत्युत्तर में कुछ छंद तो महिलाएं तत्काल ही बना लेती है। यह नृत्य ढोल एवं थाली वाद्य के साथ प्रारंभ होता है। इसमें गीत प्रसंगानुसार गाए जाते हैं। इस नृत्य का प्रमुख गीत है:-

रुपया लावतो वे तो लाव, ने तो रेजे झांपा बारे।

पडलू लावतो वे तो लाव, ने तो रेजे झांपा बारे।

भील समुदाय द्विचक्री लोक नृत्य भी करता है। यह सुंदर नृत्य दो चक्कर में होता है। इसे विवाह के अवसर पर किया जाता है। इस नृत्य में पूरे दो वृत्त होने के कारण इसे द्विचक्री नृत्य कहा जाता है। बाहर के वृत्त में बाराती एवं स्थानीय पुरुष तथा अंदर के वृत्त में वधू पक्ष की महिलाएं होती है। बाहरी वृत्त के पुरुष बाएं से दाएं नृत्य करते हुए चलते हैं। महिलाएं दाएं से बाएं नृत्य करती हुई चलती है। लय के विराम पर एक झटके के साथ गति बदल जाती है। गति के साथ दिशा भी बदल जाती है। दाएं चलने वाले बाएं चलने लगते हैं।

अस्थमा अटैक के पहले के लक्षणों को जानें

गले और ठोढ़ी में खुजली

अस्थमा की समस्या शुरु होने से पहले गले और ठोढ़ी में खुजली की समस्या हो सकती है। यह समस्या क्यों होती है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन ज्यादातर लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं जो कि ठीक नहीं है।

मूड में बदलाव

अचानक से रोगी के मूड में बदलाव देखने को मिलता है। बोलते-बोलते चुप हो जाना, तनाव और चिंताग्रस्त हो जाना भी अस्थमा अटैक का संकेत हो सकता है। अगर आपको या आपके आसपास किसी अस्थमा रोगी में यह लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज ना करें।

कफ

अस्थमा का मुख्य लक्षण है कफ की समस्या। जब यह समस्या पूरी रात आपको सताने लगे तो इसके पीछे कुछ खास वजह हो सकती है। हो सकता है कि यह साइनस या अन्य किसी वजह से हो लेकिन जब किसी अस्थमा रोगी को यह समस्या होती है तो इसे हल्के में ना लें।

सांसों में घरघराहट

अस्थमा रोगी को सांस लेने में समस्या होना सामान्य माना जाता है लेकिन जब सांस लेते वक्त घरघराहट की आवाज आने लगे तो इसे सामान्य ना समझें। यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

सांस लेने में समस्या

अस्थमा अटैक होने से पहले रोगी को सांस लेने में समस्या महसूस होने लगती है क्योंकि सांस लेने वाली जगह के आसपास की मांसपेशियां कठोर हो जाती हैं और एयरवे लाइनिंग में सूजन आ जाती है। अत्यधिक म्यूकस बनने के कारण सांस नली ब्लॉक हो जाती है।

पॉश्चर बदलना

ठीक तरह से सांस लेने के प्रयास में रोगी आगे की तरफ झुकने लगाता है जिससे वो कूबड़नुमा आकार में आ जाता है। लेकिन सांस लेने में कठिनाई होने पर इस स्थिति में आना समस्या को और बढ़ा सकता है।

सीने में जलन

जब अस्थमा की समस्या बढ़ने वाली होती है तो रोगी को सीने में जलन या कुछ अन्य तरह की समस्या भी हो सकती है। अस्थमा ग्रस्त बच्चों में जब यह समस्या होती तो वो समझ नहीं पाते कि उन्हें क्या हो रहा है। ऐसे में उनके माता-पिता को ज्यादा सर्तक रहना चाहिए।

होठों और अंगुलियों में नीलापन

जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है तो होठों और अंगुलियों और होठों पर नीलापन दिखायी देने लगता है। इस स्थिति को केयानोसिस कहते हैं। यह स्थिति इशारा करती है कि रोगी को तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया जाए।

अस्थमा अटैक से बचने के लिए जरूरी है कि रोगी को उसके पहले दिखायी और महसूस होने वाले संकेतों के बारे में पता हो? इव संकेतों के बारे में जानकारी आपको अस्थमा अटैक से बचाने में मददगार साबित हो सकती है। आइए जानें अस्थमा अटैक से पहले दिखने वाले लक्षणों के बारे में।

सेहत का सतरंगी खजाना

अपने बोरिंग खाने में जरा रंग भरिए। गहरे रंग के फलों और सब्जियों, जैसे खुबानी, गाजर और लाल व पीली मिर्च और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों, अस्थमा के मरीजों के लिए लाभप्रद बीटा-कैरोटीन नाम का एक खास तत्व पाया जाता है। जिस सब्जी या फल का रंग जितना गहरा होगा उसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा उतनी अधिक होगी।

आपके लिए नहीं है विटामिन-ई

यूं तो विटामिन-ई काफी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अस्थमा मरीजों को इससे जरा दूर ही रहना चाहिए। यह खाना पकाने के लगभग सभी तेलों में मौजूद होता है, लेकिन इसका इस्तेमाल जरा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। सूरजमुखी के बीज, केल (एक प्रकार की गोभी), बादाम और अधिक साबुत अनाजों में विटामिन- ई की मात्रा कम होती है। इन आहारों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

घुटने का दर्द धीमी न कर दे चाल

समय रहते दें ध्यान

लेकिन एक माह बाद ही उन्हें सीढ़ियां उतरते हुए सीधे पैर के घुटने में सामने के हिस्से में कुछ परेशानी महसूस होने लगी, पर उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। करीब एक सप्ताह गुजरने के बाद यह परेशानी हल्के दर्द में बदल गई। धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़ते हुए भी पैरों में दर्द होने लगा। डॉक्टर ने इसे घुटने के सामने वाले हिस्से का दर्द बताया, जिसे चिकित्सकीय भाषा में पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम/ एंटीरियर नी पेन या फिर कॉन्ड्रोमेलेसिया पटेला कहते हैं। डॉक्टर ने उन्हें कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने को कहा है। साथ ही सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से बचने की सलाह दी है। दर्द दोबारा न हो, इसलिए मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाने की सलाह भी दी है।

दर्द का कारण

जांघ की हड्डी को फीमर, जोड़ की मुख्य बड़ी हड्डी को टिबिया और नी कैप को पटेला कहते हैं। जांघ की हड्डी और नी कैप से मिल कर जो जोड़ बनता है, उसे पेटेलोफीमोरल जॉइंट कहते हैं। लगभग 20 फीसदी मरीज पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम (पीएफपीएस) के शिकार होते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक होती है। यह दर्द नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच अधिक घर्षण होने के कारण होता है। इस वजह से पंजे की एड़ियों का पिछला हिस्सा, टखना, कूल्हे का ऊपरी हिस्सा, पेड़ू और पैरों के मध्य में दर्द बढ़ जाता है। नी कैप के जांघ की हड्डी से टकराने के कई कारण होते हैं। पीएफपीएस के अधिक होने का मुख्य कारण पैर की मांसपेशियों का प्रभावित होना है। ये मांसपेशियां एक तरह से हमारे शरीर का इंजन रूम होती हैं, जिनकी सक्रियता के कारण ही हमारी सक्रियता बनी रहती है। चलने से लेकर दौड़ने जैसी हर गतिविधि इन्हीं मांसपेशियों के कारण होती है। जब ये मांसपेशियां ढंग से काम नहीं करतीं तो घुटनों पर दबाव पड़ने लगता है। जांघ के बाहरी और सामने वाले हिस्से की मांसपेशियों पर काफी वजन पड़ता है, जिससे कई बार ये मांसपेशियां चोटिल हो जाती हैं व उनमें खिंचाव आ जाता है। उनका लचीलापन भी कम होने लगता है। मांसपेशियों में अकड़न बढ़ने से दर्द बढ़ने लगता है और मांसपेशियों की कार्यकुशलता कम होने लगती है। घुटने के जोड़ में दर्द भी होता है। आमतौर पर जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों की तुलना में बाहरी मांसपेशियां अधिक कड़ी हो जाती हैं। इस असंतुलन के कारण नी कैप बाहर की ओर उठने लगती है और चलते समय जांघ वाली हड्डी से टकराती है। इसी वजह से नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच सूजन और दर्द बढ़ जाता है।

उपचार का तरीका

फिजियोथेरेपिस्ट दर्द में आराम देने के लिए एक्यूप्रेशर या क्रॉस फ्रिक्शन मसाज तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें दर्द वाले हिस्से पर थोड़ा जोर देकर प्रेशर दिया जाता है। इसके अलावा मालिश से भी काफी आराम मिलता है। नियमित मालिश से मांसपेशियों की अकड़न वाले हिस्से में लचीलापन आ जाता है। कुछ आराम आने पर मांसपेशियों में मजबूती लाने के लिए स्ट्रेचिंग कराई जाती है। अपने डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट से आप घर में किए जाने वाले व्यायाम से राहत पा सकते हैं। आमतौर पर आराम आने में 12 से 16 सप्ताह का समय लग जाता है। घर में व्यायाम, डॉक्टर द्वारा की गयी सही जांच और फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अपनाई गयी विभिन्न तकनीक और मसाज कूल्हे और टखने के लचीलेपन को बढ़ा देते हैं। स्थायी निजात पाने के लिए नियमित व्यायाम करना ही सबसे बेहतर उपाय है। ऐसा करने पर घुटने के आसपास की सभी मांसपेशियां मजबूत हो जाती हैं।

युवाओं में घुटनों के दर्द के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सही जांच व उपचार में देरी का नतीजा होता है कि हल्का मांसपेशीय दर्द बढ़ कर घुटने, जांघ व कूल्हे की मूवमेंट पर असर डालने लगता है। तीस की उम्र के करीब की एक स्कूल टीचर हैं। घर और काम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हुई वह बेहद व्यस्त रहती हैं। वह जानती हैं कि सेहतमंद और फिट रहना उनके लिए कितना जरूरी है, बावजूद इसके व्यायाम के लिए समय निकालना उनके लिए मुश्किल होता है। व्यायाम की भरपाई के तौर पर उन्होंने कुछ समय पहले खुद को अधिक सक्रिय बनाए रखने का फैसला किया, जिसके चलते वह लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने लगीं और रिक्शा की जगह पैदल घर व बाजार जाने लगीं। वह तीसरी मंजिल पर रहती हैं। शुरुआत में सीढ़ियां चढ़ने में थकान होती थी, पर आदत हो जाने के बाद अब समस्या नहीं होती।

ये व्यायाम देंगे मांसपेशियों के दर्द से आराम

इलियोटिबियल बैंड को कूल्हे, जांघ और घुटने के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों का समूह समझा जा सकता है। इस हिस्से में होने वाले दर्द में राहत पाने के लिए फोम रोलिंग एक प्रभावी तरीका है। इसके लिए आपको एक ट्यूब की जरूरत होगी, जिसे फोम रोलर कहते हैं। यह आसानी से आपको किसी आसपास के स्पोर्ट्स स्टोर से मिल जाएगा। फोम रोलर पर इस तरह लेटें, जिससे आपके शरीर का पूरा वजन जांघ के बाहरी हिस्से पर रहे। जांघ के निचले हिस्से से शुरू कर रोलर को मूव करते हुए धीरे-धीरे ऊपरी हिस्से तक जाएं। हर पैर से ऐसा पांच मिनट तक करें। लगातार दर्द वाली जगह पर इस तरह रोल करना मांसपेशियों को आराम पहुंचाएगा।

जांघ की सामने वाली मांसपेशियां

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि रोलर आपके दोनों घुटनों यानी नी कैप से थोड़ा ऊपर रहे। धीरे-धीरे ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक लाएं। ऐसा 5 से 10 मिनट तक करें।

घुटने का लचीलापन बढ़ाएं

पेट के बल लेटें। पेट की मांसपेशियों को भीतर की ओर खींचें। एक घुटने को मोड़ते हुए पीछे की ओर ले जाएं और पैर से पंजे को पकड़ते हुए एड़ी को कूल्हे पर टिकाने का प्रयास करें। 30 से 60 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। फिर इसे दूसरे पैर से दोहराएं। ऐसा तीन बार करें।

फोम रोलिंग, बाहरी कूल्हे के लिए

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि ये आपकी कूल्हे की हड्डी के पास हो। थोड़ा आगे और पीछे धीरे-धीरे मूव करें। हर तरफ से पांच मिनट ऐसा करें। इससे कूल्हे व कमर दोनों की मांसपेशियां मजबूत बनेंगी। दर्द कम होगा।

विटामिन बी,बना है आपके लिए

ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-बी मौजूद हो, अस्थमा के मरीजों के भोजन का अहम हिस्सा होना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें, अस्थमा मरीजों को तनाव के जरिए होने वाले अटैक से बचाने में सहायक होती हैं। इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि विटामिन बी6 और नियासिन (विटामिन बी3, निकोटिन और विटामिन पीपी) की कमी से भी अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है।

प्याज- खांसी पर वार,गले से प्यार

प्याज चाहे लाल हो या हरा, यह अस्थमा मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्याज में मौजूद सल्फर तत्व अस्थमा के मरीजों को जलन से राहत दिलाते हैं। यह बात साबित हो चुकी है कि प्याज का सेवन सांस संबंधी तकलीफों से भी राहत दिलाने वाला होता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड- अस्थमा में दिलाए राहत

ओमेगा-3 फैटी एसिड फेफड़ों में होने वाली जलन और उत्तकों को होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह जानना बहुत जरूरी है लगातार जलन और खांसी से उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते नियमित अस्थमा अटैक आते रहते हैं। यह मुख्य रूप से सलमन, मैक्रेल और ऐसी मछलियों में पाया जाता है जिनमें ऑयल की मात्रा अधिक होती है।

मसालों को ना, सेहत को हां

मसाले गर्म होते हैं और अस्थमा मरीजों को इनसे दूर ही रहना चाहिए। मसाले खाने से, मुंह, गले और फेफड़ों की कोशिकाएं उतेजित हो जाती हैं, परिणामस्वरूप उनमें से साल्विया निकलने लगता है। साल्विया से बलगम पतला हो जाता है। तो, मसालेदार भोजन से दूर ही रहना चाहिए।

दुग्ध उत्पाद, सेहत के साथ स्वाद

वसायुक्त दूध, मक्खन और अन्य दुग्ध उत्पाद अस्थमा होने से रोकते हैं। वे बच्चे जो वसायुक्त दुग्ध उत्पादों का सेवन करते हैं उन्हें सांस में घरघराहट संबंधी तकलीफें भी होने की आशंका कम होती है।

कॉफी- मदद करती है काफी

अस्थमा अटैक होने पर कॉफी का सेवन बहुत मदद करता है। यह श्वसन प्रक्रिया को मदद पहुंचाता है। हालांकि कई डॉक्टर यह भी कहते हैं कि अगर आपके अटैक तनाव के कारण हो रहे हैं तो आपको कैफीन की अधिक मात्रा का सेवन नहीं करना चाहिए।

कैसा हो अस्थमा के मरीजों का आहार

अस्थमा को नियंत्रिण में रखने में भोजन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने आहार में समुचित बदलाव कर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की लिस्ट बहुत लंबी है जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसी कई चीजें हैं जिनसे एलर्जी और अस्थमा अटैक पड़ने का खतरा होता है। तो, आइए जानते हैं कि आपकी रसोई में ऐसे कौन से खाद्य पदार्थ हैं जो आपको अस्थमा से लड़ने में मददगार हो सकते हैं।

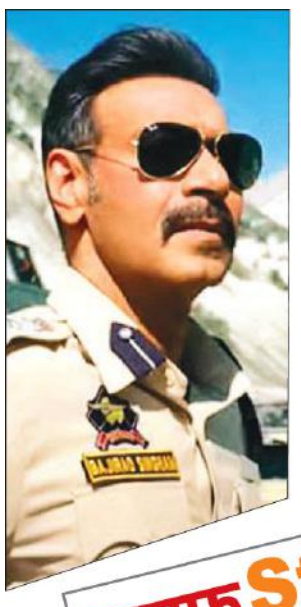

महामुकाबले की पहली बाजी 'सिंघम' के नाम

मुंबई। इस साल दिवाली के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर महामुकाबला होने वाला है। दो चर्चित फिल्में आ रही हैं। एक तरफ 'भूल भुलैया' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त लेकर कार्तिक आ रहे हैं तो रोहित शेट्टी 'सिंघम अगेन' लेकर आ रहे हैं। दो दिन पहले 'सिंघम अगेन' का ट्रेलर जारी हुआ था और यह इतना पसंद किया गया है कि रिलीज के 24 घंटे के अंदर इसने रिकॉर्ड बना लिया है। बुधवार को 'भूल भुलैया 3' का ट्रेलर भी जारी हो चुका है। लेकिन, इसे देखने के बाद दर्शकों ने सिंघम की तारीफें करनी शुरू कर दी हैं। 'भूल भुलैया 3' का ट्रेलर देखने के बाद दर्शक दावा कर रहे हैं कि बॉक्स ऑफिस पर बाजी 'सिंघम अगेन' मारेगी।

हॉलीवुड मसाला

'द नाइट एजेंट-2' का फर्स्ट लुक जारी

लॉस एंजिल्स। नेटफ्लिक्स की साल 2023 की टॉप सीरीज 'द नाइट एजेंट' के दूसरे सीजन का फर्स्ट लुक जारी हो गया है। साथ ही सीजन 3 पर भी अपडेट दिया गया है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने आगे के खतरे को छेड़ा है, यह पुष्टि करते हुए कि अगले सीजन पर भी कलाकारों के साथ काम चल रहा है। जो सीजन 2 की तैयारी कर रहे हैं। रोमांचक सीजन 1 के बाद आगे की कहानी का इंतजार कर रहे प्रशंसक उम्मीद कर सकते हैं कि एफबीआई एजेंट पीटर सदरलैंड हर जगह से खतरे से घिरा होगा।

लाइफ Style

सुहाना

मेकअप के लिए शूटिंग रोक देती थी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हम लड़के 15 मिनट में तैयार हो जाते थे और फिर सुहाना के लिए 40 मिनट तक इंतजार करते थे। कई बार तो सुहाना की मेकअप टीम शूटिंग रोक देती थी और कहती थी, 'उनके बाल खराब हो गए हैं।

वेदांग रैना लाइमलाइट में बने हुए हैं। दरअसल, उनके करियर की दूसरी फिल्म 'जिगरा' 11 अक्टूबर के दिन रिलीज होने वाली है। ऐसे में वह अपनी को-एक्ट्रेस आलिया भट्ट के साथ फिल्म का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। याद दिला दें, वेदांग ने शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान के साथ 'द आर्चीज' से डेब्यू किया था। ऐसे में प्रमोशन के दौरान, वेदांग से पूछा गया कि उन्हें सुहाना की कौन-सी आदत पसंद है और कौन-सी आदत पसंद नहीं है। वेदांग ने एक इंटरव्यू में कहा, 'वह अपने आस-पास के लोगों के साथ बहुत अच्छे से पेश आती हैं। ये बात मुझे उनकी बहुत पसंद है और जो बात मुझे उनकी नहीं पसंद वो ये है कि वह तैयार होने में सबसे ज्यादा समय लेती थीं। हम लड़के 15 मिनट में तैयार हो जाते थे और फिर सुहाना के लिए 40 मिनट तक इंतजार करते थे। कई बार तो सुहाना की मेकअप टीम शूटिंग रोक देती थी और कहती थी, 'उनके बाल खराब हो गए हैं। हालांकि, ये सुहाना की गलती नहीं थी, ये उसके कैरेक्टर के लिए जरूरी था।' इसके बाद, वेदांग से उनकी कथित गर्लफ्रेंड खुशी कपूर (जाह्नवी कपूर) के बारे पूछा गया। वेदांग ने कहा, 'वह सभी लोगों के साथ बहुत प्यार और आदर के साथ रहती हैं। मुझे उनकी ये बात बहुत पसंद हैये कहना गलत होगा कि मैं उनकी ये आदत बर्दाश्त करता हूं।

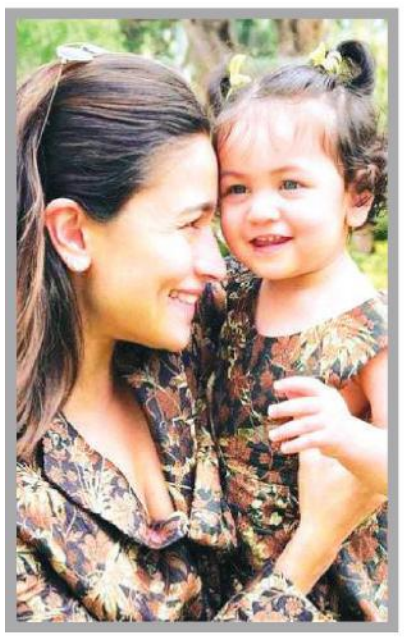

आलिया के इस वीडियो की है दीवानी राहा

मुंबई। आलिया भट्ट ने एक बार फिर अपनी बेटी राहा कपूर के बारे में बात की है। दरअसल, आलिया बीते दिन हैदराबाद में अपनी अपकमिंग फिल्म 'जिगरा', जो 11 अक्टूबर के दिन रिलीज होने वाली है, उसका प्रमोशन कर रही थीं। इस इवेंट में उनके साथ सामंथा रुथ प्रभु, वेदांग रैना, राणा दग्गुबाती और प्रसिद्ध निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास भी थे। उन्होंने राहा के बारे में बात करते हुए बताया कि उसे 'आरआरआर' फिल्म के नाटू-नाटू गाने पर डांस करना बहुत पसंद हैं। आलिया ने ये भी बताया कि उनकी बेटी राहा ने उनका एक अवॉर्ड शो का वीडियो देखा है जिसमें वह नाटू-नाटू पर डांस कर रही हैं। आलिया बोलीं, 'मेरे घर में हर रोज नाटू-नाटू बजता है। मेरी बेटी राहा को नाटू-नाटू बहुत पसंद है। जब भी उसका डांस करने का मन करता है तब वह कहती है, 'मम्मा, नाटू-नाटू बजाओ।'

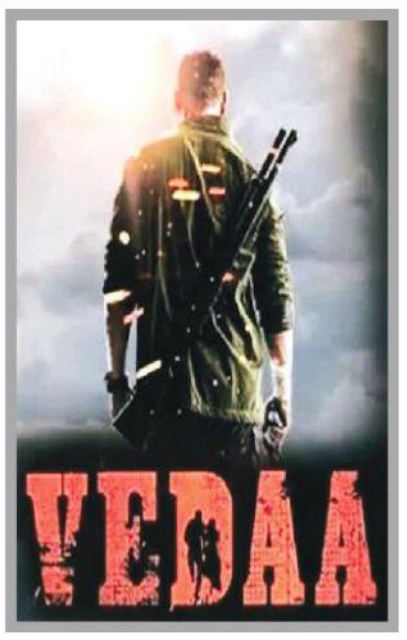

ओटीटी पर आज 'वेदा' देगी दस्तक ...

नई दिल्ली। जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ अभिनीत फिल्म 'वेदा' इस साल स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म की ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए खुशखबरी है। करीब दो महीने बाद फिल्म ओटीटी पर 10 अक्टूबर को दस्तक देने जा रही है। निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का डिजिटल प्रीमियर दुनियाभर में होगा। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। जॉन की यह एक्शन पैक्ड फिल्म है। इसमें अभिषेक बनर्जी, तमन्ना भाटिया और आशीष विद्यार्थी जैसे सितारे भी हैं। फिल्म 'वेदा' एक असल जिंदगी की घटना पर आधारित बताई जाती है। यह मजबूत इरादों वाली एक दलित महिला की जिंदगी पर बनी है, जाति आधारित क्राइम और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाती है।

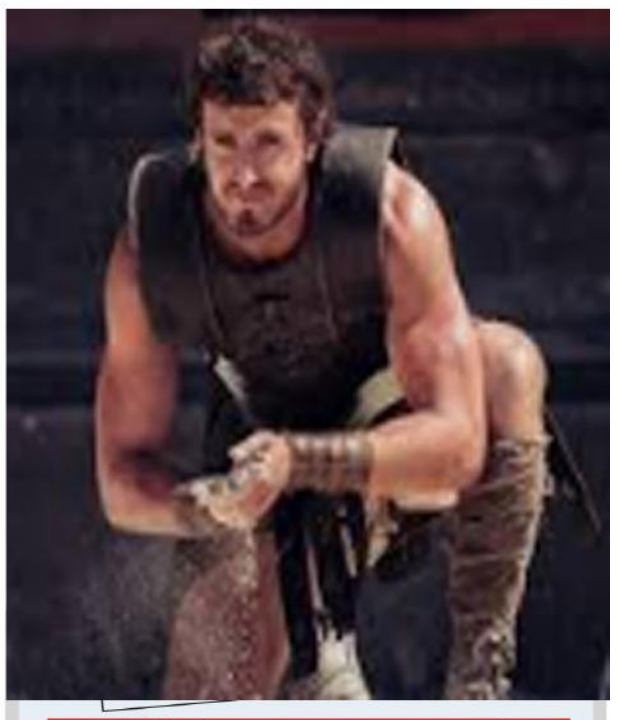

ग्लेडिएटर-3' की स्क्रिप्ट तैयार...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक रिडले स्कॉट इन दिनों अपनी आगामी फैंटसी ड्रामा फिल्म ग्लेडिएटर 2 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म इस साल नवंबर में रिलीज होगी। फिल्म का दूसरा भाग 24 साल बाद रिलीज होने वाला है, लेकिन इसकी रिलीज से पहले ही रिडले ने फिल्म के तीसरे भाग पर काम करना शुरू कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिडले ने कहा, 'मेरे पास पहले से ही 'ग्लेडिएटर 3' की स्क्रिप्ट के आठ पन्ने तैयार हैं।' फिल्म 'ग्लैडिएटर' का पहला पार्ट साल 2000 में रिलीज किया गया था, जिसने टिकट विंडो पर जमकर नोट छापे थे। इसके दूसरे भाग में 2000 में आई 'ग्लेडिएटर' के आगे की कहानी को दिखाया जाएगा।

टीवी मसाला

हिंसा को चित्रित करना चुनौतीपूर्ण रहा : सैनी

मुंबई। प्रशंसित जी थिएटर टेलीप्ले 'ट्रायल ऑफ सत्यम कौशिक' में सैनी एक जटिल किरदार निभा रहे हैं। जाने-माने अभिनेता, गीतकार और कवि गुरप्रीत सैनी इंस्टाग्राम पर अपनी भावनात्मक प्रस्तुतियों के लिए जाने जाते हैं लेकिन जी थिएटर के टेलीप्ले 'ट्रायल ऑफ सत्यम कौशिक' में एक उग्र किरदार निभा कर उन्होंने अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया है। सैनी अमेरिका में एक महत्वाकांक्षी प्रवासी की भूमिका निभाते हैं जो अपने स्टार्ट-अप के लिए फंडिंग सुरक्षित करना चाहता है, पर उसी वक्त उस पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया जाता है और निर्वासन की धमकी दी जाती है। सैनी कहते हैं, टेलीप्ले निश्चित रूप से घरेलू हिंसा और पुरुषों के नियंत्रण की आवश्यकता को संबोधित करता है। इसमें कहीं न कहीं नस्लवाद का तत्व भी है, लेकिन इसका ये अर्थ नहीं है कि सत्यम खुद अमरीकी नस्लवाद का शिकार है। अपनी भूमिका की चर्चा करते हुए, सैनी मानते हैं कि हिंसा को चित्रित करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा और वे कहते हैं, हां, सत्यम कौशिक मेरे लिए एक नया किरदार था। वह एक अभिमानी पुरुष है जो पढ़ा लिखा है और एक नए देश में अपनी पत्नी पर निर्भर है। घर की चारदीवारी में वो एक अलग व्यक्ति में बदल जाता है और उसे अपने गुस्से को नियंत्रित करने में परेशानी होती है। वह अपनी पत्नी पर हावी होना चाहता है, भले ही उसे अमेरिका में अपने प्रवास को प्रायोजित करने के लिए उसकी आवश्यकता हो। इस जटिलता को निभाना मेरे लिए काफी मुश्किल था क्योंकि असल जिंदगी में मैं इस तरह के उग्र लोगों से कोई ताल्लुक नहीं रख सकता।

इन स्टार्स के सिर पर लटकी तलवार पहले ही हफ्ते में हो सकते हैं बेघर...

नई दिल्ली। बिग बॉस 18 का सफर काफी खट्टे-मीठे अंदाज में शुरू हुआ है। जहां एक तरफ विवियन डीसेना और रजत दलाल जैसे कंटेस्टेंट काफी डॉमिनेटिंग अंदाज में अपने आपको स्टैबलिश करने की कोशिश कर रहे हैं। मेकर्स ने हाल ही में एक प्रोमो वीडियो जारी किया था जिसमें गुणरत्ना सदावर्ते बिग बॉस हाउस के नियमों की खिलाफत करते नजर आए। उन्होंने जेल जाने से इनकार कर दिया और इसी प्रोमो वीडियो में दिखाई गई इस सीजन के पहले नॉमिनेशन टास्क की झलक। एक रिपोर्ट के मुताबिक बिग बॉस 18 के पहले नॉमिनेशन्स के बाद कंटेस्टेंट चाहत पांडे, मुस्कान बामने, गुणरत्ना सदावर्ते, करणवीर मेहरा और अविनाश मिश्रा को नॉमिनेट किया गया है। यानी, अगर पहले ही हफ्ते में एविक्शन की तलवार चली, तो किसी एक का सफर बिग बॉस 18 से खत्म हो जाएगा।

टीवी की दुनिया के 'सिकंदर' बने सलमान

नई दिल्ली। अभिनेता सलमान खान की दीवानगी सिर्फ बड़े परदे पर ही नहीं, बल्कि छोटे परदे पर भी जबर्दस्त हो चली है। खासकर रियलिटी शो बिग बॉस और सलमान खान तो मानो एक-दूसरे के पूरक हो चले हैं। सलमान खान के बिना दर्शकों को इस शो को देखने में मजा नहीं आता और दर्शकों की नब्ज शो के मेकर्स भी बखूबी पकड़ चुके हैं। तभी तो टीआरपी की खातिर लंबे वक्त से सलमान खान का साथ पकड़े हैं और इसके लिए मोटी फीस देते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान बिग बॉस होस्ट करने के लिए 60 करोड़ रुपए मासिक फीस ले रहे हैं। अगर बिग बॉस 15 हफ्ते चलता है, जैसा कि पिछला सीजन चला था तो उनकी फीस करीब 250 करोड़ रुपए बैठेगी। कहा जा रहा है कि सलमान खान ने पिछले एपिसोड से मुकाबले अपनी फीस बढ़ा दी है। सलमान खान टीवी की दुनिया के हाइएस्ट पेड होस्ट बन गए हैं। करीब डेढ़ दशक से वे इस शो से जुड़े हैं।

'बिदाई' को 50 साल पूरे, इसी फिल्म की वजह से जितेंद्र की जिंदगी में आईं शोभा

नई दिल्ली। साल 1974 में जितेंद्र और लीला चंदावरकर की फिल्म 'बिदाई' आई थी, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई। यह फिल्म जितेंद्र की पेशेवर और निजी जिंदगी, दोनों ही तरीकों से खास रही। फिल्म 'बिदाई' की रिलीज को बुधवार को 50 साल पूरे हो गए। यह फिल्म जितेंद्र के लिए निजी तौर पर भी यादगार है, क्योंकि इस फिल्म के बाद और इसी फिल्म के कारण उनकी जिंदगी में पत्नी शोभा आईं।

रिजेक्ट कर दी थी फिल्म

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'बिदाई' में राजेश खन्ना को लेने का ख्याल था। सबसे पहले राजेश खन्ना को ही यह फिल्म ऑफर की गई थी, लेकिन उन्होंने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। काका ने फीस के चलते फिल्म नहीं की। उन्होंने जो रकम मांगी थी वह नहीं मिली तो उन्होंने ऑफर रिजेक्ट कर दिया।

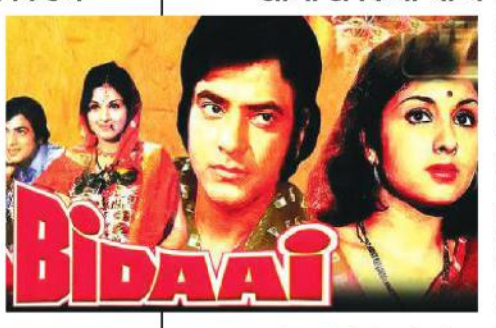

शोभा से किया था ये वादा

इस फिल्म की रिलीज के दौरान जितेंद्र शोभा को डेट कर रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने गर्लफ्रेंड शोभा से वादा किया था कि अगर 'बिदाई' हिट होती है तो वे उनसे शादी कर लेंगे। जितेंद्र के मुंह से निकली बात मानो सच साबित हुई और यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। जितेंद्र और शोभा की शादी हो गई।

करियर के लिए साबित हुई मील का पत्थर

अभिनेता जितेंद्र के करियर के लिए भी यह फिल्म एक मील का पत्थर साबित हुई। इसी फिल्म ने उनके करियर की डूबती नैया बचा ली। यह 1971 में फिल्म 'कारवां' के 3 साल बाद अभिनेता की कोई ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। फिल्म 'बिदाई' की शूटिंग के दौरान जितेंद्र के पास काम नहीं था। इसके अलावा कहा जाता है कि यह फिल्म लीला चंदावरकर से पहले परवीन बाबी को ऑफर की गई थी, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था।

'मत जाओ, राम अयोध्या छोड़ के मत जाओ' को महज पांच मिनट में बनाया था

मन की आंखों से लिखे गीत, संगीत के इस नायक के बिना 'रामायण' भी होती अधूरी

भारतवर्ष की धरती पर एक ऐसे संगीतकार और गीतकार का जन्म हुआ, जो शरीर की आंखों से नहीं देख सकता था, लेकिन उसने अपनी मन की आंखों से जो कुछ देखा और दिखाया वह आंख वाले भी कम ही देख पाते हैं। हम बात कर रहे हैं संगीतकार रविंद जैन की, जिनके गीतों के बिना रामानंद सागर की 'रामायण' भी अधूरी है। रविंद का जन्म 28 फरवरी 1944 को जिला अलीगढ़ के मोहल्ला कनवरीगंज में हुआ था। वह जन्म से ही देख नहीं सकते थे, लेकिन उनकी मन की आंखों से कोई रंग अछूता नहीं रहा।

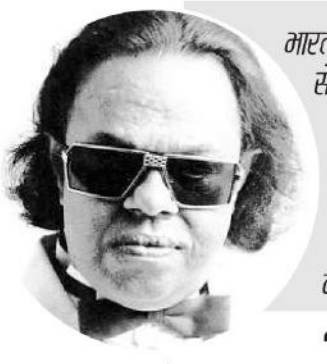

मुंबई। रविंद्र जैन के पिता इंद्रमणि जैन आयुर्वेदाचार्य थे। वह सात भाई-बहन थे। रविंद्र की दृष्टि में प्रकाश ना होने के कारण सभी उनके भविष्य को लेकर काफी चिंतित रहते थे। कहा जाता है कि महाकवि सूरदास से प्रेरित होकर उन्होंने संगीत की साधना शुरू की। वह कोलकाता गए जहां पर उनकी साधना को साधन मिले। इसके बाद उन्होंने मुंबई का रुख कर लिया।

'सौदागर' से की फिल्मी करियर की शुरुआत

उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'सौदागर'से की। इस फिल्म के लिए उन्होंने गीत लिखे भी और संगीतबद्ध भी किया। रविंद्र जैन ने फिल्मों के लिए दर्जनों होली के गीत लिखें और उन्हें संगीतबद्ध किया। रविंद्र ने फिल्म खून खराबा' के गीत-'होली आई रे...', 'गोपाल कृष्णा' फिल्म में 'आयो फागुन हठीलो, गोरी चोली पै पीलो रंग डारन दे...', फिल्म 'षड्यंत्र' में 'होली आई होली..हां मस्तानों की टोली, सबके लबों पे प्यार भरी बोली' जैसे गीत गाएं।

'मंगल भवन अमंगल हारी' भजन को दी आवाज

रविंद्र जैन के गीतों में उनकी भक्ति की भी झलक मिलती रही। उन्होंने रामानंद सागर की 'रामायण' में 'मंगल भवन अमंगल हारी'भजन को अपनी आवाज दी। इस भजन के अलावा रविंद्र जैन ने 'रामायण' की लगभग सभी चौपाइयां और अन्य भजन गाए। कहा जाता है कि जब भगवान राम के वनवास जा रहे थे तब उन्हें पांच भजन बनाने को कहे गए थे। उन्होंने 'मत जाओ, राम अयोध्या छोड़ के मत जाओ' को महज पांच मिनट में बनाया था।

रविंद्र जैन के कुछ मशहूर गीत

- गीत गाता चल, ओ साथी गुनगुनाता चल
- जब दीप जले आना
- ले जाएंगे, ले जाएंगे, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे
- ले तो आए हो हमें सपनों के गांव में
- ठंडे-ठंडे पानी से नहाना चाहिए
- एक राधा एक मीरा
- अंखियों के झरोखों से, मैंने जो देखा सांवरे
- सजना है मुझे सजना के लिए
- हर हसीं चीज का मैं तलबगार हूं
- श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम
- कौन दिशा में लेके
- सुन सायबा सुन, प्यार की धुन

हुंडई का 27,870 करोड़ रुपए का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा

दास ने चेताया, गलत तरीके अपनाकर आगे बढ़ने से बचें एनबीएफसी बैंक

सरकार ड्रोन क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना लाएगी

कादियान और जून ने सैनी बड़ौली और प्रधान से की नई दिल्ली में मुलाकात

निर्दलीय विधायक सावित्री, कादियान और जून ने भाजपा को दिया समर्थन

सावित्री जिंदल के घर जाकर मिले प्रधान और बिप्लब

भाजपा के पाले में अब विधायकों की तादाद हुई 51

▶▶नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाले सभी तीन निर्दलीय विधायकों ने भाजपा को अपना समर्थन देने का ऐलान किया है। हिसार से विधायक निर्वाचित हुई सावित्री जिंदल, गन्नौर से विधायक बने देवेंद्र कादियान और बहादुरगढ़ से विधायक चुने गए राजेश जून ने प्रदेश में जीत की हैट्रिक लगाने वाली भाजपा के साथ खड़े होने की बात कही है।

कादयान और जून ने बुधवार को नई दिल्ली में निर्वतमान मुख्यमंत्री नायब सैनी और हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली से पहले मुलाकात की। इसके उपरांत दोनों विधायकों ने हरियाणा भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान से उनके आवास पर मुलाकात की और भाजपा को अपना समर्थन देने की इच्छा जताई। प्रधान ने बाद में जिंदल से उनके निवास पर जाकर मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ सांसद और चुनाव सहप्रभारी बिप्लव देव भी थे। दोनों के साथ चर्चा

के बाद सावित्री ने भी भाजपा को समर्थन दे दिया। मीडिया से बात करते हुए बड़ौली ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की नीतियों में विश्वास जताते हुए भाजपा की बनने वाली सरकार का समर्थन करने का फैसला राजेश और देवेंद्र कादियान लिया है। इस दौरान उनके साथ जून और कादियान भी थे। उधर, सावित्री जिंदल ने अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज प्रधान और बिप्लब देव मेरे आवास पर आये, मुझे अच्छा लगा। मोदी जी और भाजपा को समर्थन देती हूं। हिसार बहुत सुन्दर बने इसलिए भाजपा को समर्थन देती हूं। गन्नौर से नवनिर्वाचित विधायक देवेंद्र कादियान चुनाव में निर्दलीय उतरने से पहले भाजपा में थे और टिकट मांग रहे थे। उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया। इसके बाद का उन्होंने भाजपा से बगावत करते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और बड़े अंतर से जीत हासिल करने में कामयाब रहे। बहादुर गढ़ से निर्दलीय विधायक चुने गये राजेश जून चुनाव से पहले कांग्रेस में थे। वे वर्तमान कांग्रेस विधायक राजेंद्र जून की जगह कांग्रेस से टिकट चाह रहे थे। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ा और विजय पाने में सफल रहे। जून भले ही कांग्रेस में रहे हों पर अब वे भाजपा के पाले में खड़े हो गये हैं। सावित्री जिंदल को लेकर पहले से चर्चा थी कि अगर वे जीती तो भाजपा को अपना समर्थन देंगी। उन्होंने भी अब अपना समर्थन भाजपा को दे दिया है।

विकास कार्यों के लिए सत्ताधारी पार्टी के साथ हुए निर्दलीय

देवेंद्र कादियान, सावित्री जिंदल और राजेश जून इस बात का बखूबी समझते हैं कि सरकार के साथ रहने से ही हलके का विकास संभव है। यहीं वजह है कि तीनों ने भाजपा को अपना समर्थन दिया है। हालांकि भाजपा 48 सीट जीतकर बहुमत से दो सीट ज्यादा हासिल कर चुकी है। इन तीन विधायकों का समर्थन मिलने के बाद भाजपा के पाले में विधायकों की तादाद 51 हो गई है। कादियान ने कहा कि गन्नौर के लोगों से राय लेने के बाद उन्होंने भाजपा को समर्थन देने का फैसला लिया है। राजेश जून ने कहा कि वे हलके में विकास चाहते हैं इसलिए भाजपा का समर्थन किया है।

खबर संक्षेप

वेदांता पर 102.04 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। वेदांता पर सीमा शुल्क प्राधिकरण ने 92.04 करोड़ का जुर्माना और 10 करोड़ का हर्जाना जुर्माना लगाया है। वेदांता लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह आदेश मंगलवार को मिला। 92,03,85,745 रुपए के जुर्माने और 10,00,00,000 के हर्जाने के साथ सीमा शुल्क तथा लागू ब्याज की मांग की गई है।

केरल की पहली महिला डीजीपी भाजपा में शामिल

तिरुवनंतपुरम। केरल कैडर की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पूर्व पुलिस महानिदेशक आर श्रीलेखा बुधवार को भाजपा में शामिल हो गईं। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के सुरेंद्रन और जिलाध्यक्ष वीवी राजेश ने श्रीलेखा को उनके आवास पर पार्टी की सदस्यता दिलाई। सुरेंद्रन ने खुशी जताते हुए कहा कि इससे लाभ मिलेगा।

मंत्री निषाद कार एक्सीडेंट में जख्मी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य पालन मंत्री संजय निषाद की कार स्कार्ट की गाड़ी से टकरा जाने से क्षतिग्रस्त हो गई। वे गंभीर घायल हो गए हैं। मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। सुबह वे प्रतापगढ़ के लिए जा रहे थे। करहिया बाजार में मंत्री के साथ आगे चल रही स्कॉर्ट गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगा दी।

मलयालम अभिनेता माधवन नहीं रहे

चेन्नई। मलयालम एक्टर टीपी माधवन का बुधवार को 88 साल की उम्र में निधन हो गया। माधवन लंबे समय से बीमार थे और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थे। बुधवार को माधवन ने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से पूरी इंडस्ट्री में शोक की लहर है। साउथ सिनेमा के दिग्गज सितारों ने निधन पर श्रद्धांजलि दी है।

महाराष्ट्र में पीएम मोदी ने हरियाणा चुनाव का किया जिक्र

कांग्रेस हमेशा 'समाज को बांटो' और राजनीति करो पर चली, आज भी उसी फॉर्मूले पर चल रही

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र में 10 सरकारी मेडिकल कॉलेज का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। उन्होंने भारतीय कौशल संस्थान और विद्या समीक्षा केंद्र का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। उन्होंने नागपुर में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के उन्नयन और शिरडी हवाई अड्डे में नए एकीकृत टर्मिनल भवन की आधारशिला रखी।

कांग्रेस पर बोला जोरदार हमला, सारी साजिशें ध्वस्त

इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने हरियाणा चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर वोटबैंक की राजनीति करने और समाज को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने देश का मिजाज बता दिया है। दो बार कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार तीसरी बार चुनकर आना ऐतिहासिक है। कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह जनता को गुमराह करने में जुटा था, लेकिन कांग्रेस की सारी साजिशें ध्वस्त हो गईं। दलित समाज को अहसास हो गया कि कांग्रेस उनका आरक्षण छीनकर अपने वोटबैंक को बांटना चाहती है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस को खरी-खरी सुनाई और अपने कामों का भी बखान किया।

कांग्रेस का पूरा ईकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का गिरोह जनता को गुमराह करने में जुटा

अभी भी देश को बांटने के लिए नए-नए नैरेटिव गढ़ रही

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस हमेशा बांटो और सत्ता पाओ के फॉर्मूले पर चली है। कांग्रेस ने बार-बार ये सिद्ध किया है कि वो एक गैर-जिम्मेदार दल है। वो अभी भी देश को बांटने के लिए नए-नए नरैटिव गढ़ रही है। कांग्रेस समाज को बांटने का फार्मूला लाती रहती है। कांग्रेस का फार्मूला साफ है कि मुसलमानों को डराते रहो, उनको भय दिखाओ, उनको वोटबैंक में कन्वर्ट करो और वोटबैंक को मजबूत करो।

भारतीय कौशल संस्थान का उद्घाटन

पीएम मोदी ने मुंबई में भारतीय कौशल संस्थान का उद्घाटन भी किया। इसका मकसद अत्याधुनिक तकनीक और व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ एक उद्योग कार्यबल बनाना है। भारत को 'विश्व की कौशल राजधानी' के रूप में स्थापित करने के अपने दृष्टिकोण के तहत भाजपा नीत एनडीए सरकार आईआईएस के जरिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करेगी।

विद्या समीक्षा केंद्र का उद्घाटन

पीएम ने महाराष्ट्र के विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) का भी उद्घाटन किया। इससे छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों की स्मार्ट उपस्थिति, स्वाध्याय जैसे लाइव चैटबॉट के जरिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक डेटा तक पहुंच आसान होगी। यह स्कूलों को संसाधनों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, अभिभावकों और राज्य के बीच संबंधों को मजबूत करने और उत्तरदायी समर्थन प्रदान करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।

महाराष्ट्र को दी 7600 करोड़ की सौगात

कई परियोजनाओं की रखी आधारशिला

पीएम मोदी ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए महाराष्ट्र को 7600 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। नागपुर में करीब 7000 करोड़ की अनुमानित परियोजना लागत वाले डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उन्नयन की आधारशिला रखी। इससे विनिर्माण, विमानन, पर्यटन, 'लॉजिस्टिक्स' और स्वास्थ्य सेवा सहित कई क्षेत्रों में विकास के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा। इससे नागपुर शहर और विदर्भ क्षेत्र को फायदा होगा। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। यहां 288 सदस्यीय विधानसभा है। सत्ता में भाजपा, शिवसेना और राकांपा का गठबंधन है और विपक्ष में कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना (यूबीटी) का गठबंधन है। हरियाणा में भाजपा ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। ऐसे में भाजपा महाराष्ट्र के चुनावों में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

शिरडी हवाई अड्डे पर एकीकृत टर्मिनल भवन की आधारशिला

प्रधानमंत्री ने शिरडी हवाई अड्डे पर 645 करोड़ की लागत से बनने वाले नए एकीकृत टर्मिनल भवन की आधारशिला भी रखी। इससे शिरडी की यात्रा करने वाले धार्मिक पर्यटकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

10 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के संचालन की शुरुआत, लोगों को मिलेंगी सुविधाएं

पीएम मोदी ने मुंबई, नासिक, जालना, अमरावती, गढ़चिरौली, बुलढाणा, वाशिम, भंडारा, हिंगोली और अंबरनाथ (ठाणे) में 10 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के संचालन की शुरुआत की। इससे सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य देखभाल सुविधा सुनिश्चित हो सकेगी। स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों को बढ़ाने के साथ ही ये मेडिकल कॉलेज लोगों को विशेष स्वास्थ्य देखभाल सुविधा भी मुहैया कराएंगे।

इनेलो से गठबंधन का नहीं हुआ फायदा:मायावती

मायावती ने चुनाव में बसपा की हार का ठीकरा जाटों पर फोड़ा

बसपा सुप्रीमो की सलाह, हरियाणा के जाट समाज को यूपी के जाटों से लेनी चाहिए सीख

▶▶नई दिल्ली

हरियाणा विधानसभा में इनेलो के साथ गठबंधन कर चुनाव मैदान में उतरी बसपा सुप्रीमो जाटों से नाराज हैं। उन्होंने बुधवार को कहा कि प्रदेश के जाट समुदाय ने बहुजन समाज पार्टी को वोट नहीं दिया जिसके कारण उनकी पार्टी कोई सीट नहीं जीत पाई।

मायावती ने कहा कि उनका वोटबैंक तो इनेलो के उम्मीदवारों को गया पर इनेलो का वोट बहुजन समाज पार्टी को नहीं मिला। मायावती ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव बीएसपी और इनेलो ने गठबंधन करके लड़ा किंतु आए परिणाम से स्पष्ट है कि जाट समाज के जातिवादी लोगों ने बीएसपी को वोट नहीं दिया जिससे बीएसपी के उम्मीदवार कुछ सीटों पर थोड़े वोटों के अंतर से हार गए, हालांकि बीएसपी का पूरा वोट ट्रांसफर हुआ।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि यूपी के जाट समाज के लोगों ने अपनी जातिवादी मानसिकता को काफी हद तक बदला है और वे बीएसपी से एमएलए तथा सरकार में मंत्री भी बने हैं। हरियाणा प्रदेश के जाट समाज के लोगों को भी उनके पदचिन्हों पर चलकर अपनी जातिवादी मानसिकता को जरूर बदलना चाहिए, यह खास सलाह है।

निराश न हों, कार्यकर्ता तत्पर रहें

मायावती ने कहा कि बीएसपी के लोगों द्वारा पूरी दमदारी के साथ यह चुनाव लड़ने के लिए सभी का हार्दिक आभार प्रकट करती हूं और आश्वस्त करती हूं कि उनकी मेहनत बेकार नहीं जाएगी। लोगों को निराश नहीं होना है और न ही हिम्मत हारनी है, बल्कि अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तत्पर रहना है। नया रास्ता निकलेगा।

कांग्रेस की पराजय का असर अब इंडी गठबंधन पर भी दिखाई देने लगा

हार पर छिरी रार: कांग्रेस पर अब हमलावर हुए साथी दलों ने लगा दी नसीहतों की झड़ी

▶▶नई दिल्ली

हरियाणा और जम्मू कश्मीर में कांग्रेस की करारी हार का असर अब गठबंधन पर भी पड़ने लगा है। लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के बाद इंडिया गठबंधन में कांग्रेस पार्टी अब तक बड़े भाई की भूमिका में थी, लेकिन छत्तीसगढ़, मप्र, हरियाणा और जम्मू कश्मीर चुनावों में एक के बाद एक हार ने केवल गठबंधन की नींव ही नहीं हिलाई, साथी दलों ने आंखें तरेरना भी शुरू कर दिया है। शिवसेना, सपा, राजद, आप और टीएमसी की ओर से कांग्रेस पर तीखे हमले शुरू हो गए हैं। कांग्रेस पर आरोप चस्पा किया जा रहा है कि वे साथी दलों पर अड़ियल रवैया अख्तियार करते रहे हैं। जब खुद को किसी चुनाव में कमजोर पाते हैं तो राज्य के दलों के साथ गठबंधन करते हैं और मजबूती पर साथी दलों को किनारे कर देते हैं।

ऐरोगेंस, हाईहेडनेस.. नहीं चलेगा

हरियाणा में आप के साथ गठबंधन नहीं करने पर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कांग्रेसका 'हाई हेडनेस' करार दिया है। मुखपत्र सामना में लिखे लेख में उद्धव ने कहा, कांग्रेस पार्टी साथी दलों के साथ चुनाव लड़ती है तो अच्छा करती है अपने दम पर भाजपा को शिकस्त देने मैदान में उतरती है तो बुरी तरह हारती है। विपक्षी दलों के अधिकांश क्षत्रपों ने कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व को इसके लिए जमकर भला बुरा कहा कि गठबंधन दलों को लेकर आवश्यक सम्मान की बेहद कमी है। कांग्रेस पार्टी का 'एरोगेंस' सातवें आसमान पर रहता है।

शीर्ष नेतृत्व की होती रही सुनी अनसुनी

दिल्ली, पंजाब लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने आप के साथ समझौता करना उचित नहीं समझा। भूपिंदर सिंह हुड्डा ने हरियाणा में आप से गठबंधन नहीं होने दिया। उद्धव ने कहा, कांग्रेस अपने क्षत्रपों को अनुशासन में रखने में पूरी तरह नाकामयाब रही है। उन्होंने आश्चर्य से कहा, ऐसा कैसे हो सकता है कि किसी दल का राष्ट्रीय नेतृत्व कोई बात कहता हो उसे राज्य के नेता मानने से इनकार कर दें? कर्नाटक में सरकार बनने से पहले तक ऐसी स्थिति बनी और हरियाणा में राज्य के नेताओं ने कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व की दुर्गति करा दी।

कांग्रेस की हार उद्धव के लिए मौका

उद्धव के लिए फिलहाल कांग्रेस का कमजोर होना राहत भरा है। महाराष्ट्र विस चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस की दुर्गति की वजह से वे अब महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ गठबंधन में दबाव की राजनीति कर पाएंगे। लोकसभा में कांग्रेस पार्टी ने नागपुर लोकसभा की छह विस सीटों को साथी दलों के लिए छोड़ने से साफ इनकार कर दिया था। उद्धव की नजर वैसी डेढ़ दर्जन सीटों पर है।

रायबरेली में फिर ट्रेन पलटाने की साजिश

रायबरेली-प्रयागराज रेलवे खंड पर सीमेंट स्लीपर से टकराई मालगाड़ी

बेनिकामा के पास लक्ष्मणपुर और दरियापुर स्टेशनों के बीच की घटना

एजेंसी ▶▶रायबरेली

देश में कई जगह रोजाना ही ट्रेन पलटाने की कोशिश की खबर है। बार-बार कुछ अराजक तत्व ट्रेन की पटरियों पर किसी प्रकार का सामान रखकर ट्रेन को हादसे का शिकार बनाने की कोशिश में हैं।

गाजीपुर, सूरत और ग्वालियर में एक के बाद एक ऐसी घटनाओं के बाद अब उत्तर प्रदेश के रायबरेली में फिर कुछ ऐसा ही देखने को मिला। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि कुंदनगंज जा रही एक मालगाड़ी यहां रायबरेली-प्रयागराज रेलवे खंड पर रखे सीमेंट स्लीपर से टकरा गई। यह घटना मंगलवार रात करीब 11 बजे मध्य प्रदेश के सतना से आ रही एक मालगाड़ी के साथ बेनिकामा के पास लक्ष्मणपुर और दरियापुर स्टेशनों के बीच हुई।

इंजन का कैटल गार्ड टकराया

इसको देखने के बाद ड्राइवर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन इंजन के कैटल गार्ड को उससे टकराने से नहीं रोक सका। बाद में स्लीपर सेक्शन को ट्रैक से हटा दिया गया और ट्रेन आगे बढ़ गई। रेलवे सुरक्षा बल ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी। इससे पहले रविवार को रायबरेली में गौ लोको पायलट ने रघुराज सिंह स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर मिट्टी का ढेर देखा था जिसके बाद एक यात्री ट्रेन को थोड़ी देर के लिए रोक दिया गया।

देश के आखिरी सती कांड 'रूप कंवर केस' में फैसला

विशिष्ट न्यायालय सती निवारण ने सभी 8 आरोपियों को किया दोषमुक्त

37 साल पुराने केस का जयपुर की विशेष कोर्ट ने किया पटाक्षेप

एजेंसी ▶▶जयपुर

पति की चिता पर लेटकर खुद के प्राण त्यागने वाले देश के आखिरी सती कांड में बुधवार को कोर्ट का फैसला आया। राजस्थान के सीकर जिले में रूप कंवर की मौत को देश के आखिरी सती कांड के रूप में जाना जाता है। 4 सितंबर 1987 को 18 साल की उम्र में रूप कंवर ने अपने पति के साथ खुद को जला लिया था।

उनकी शादी को तब केवल 7 महीने ही हुए थे। 37 साल पुराने दिवराला सती प्रकरण में बुधवार को जयपुर की एक विशेष अदालत ने 8 आरोपियों को दोष मुक्त करार दिया। विशिष्ट न्यायालय सती निवारण जयपुर द्वितीय ने यह फैसला सुनाया।

सती प्रथा को महिमामंडित करने का था आरोप

आरोपियों की ओर से एडवोकेट अमनचैन सिंह शेखावत ने पैरवी की थी। इस मामले में कोर्ट ने महेंद्र सिंह, दशरथ सिंह, श्रवण सिंह सहित 8 आरोपियों को बरी कर दिया है। रूप कंवर की मौत को सती प्रथा के रूप में महिमामंडित किया गया था। मौत के बाद देश में सती प्रथा से संबंधित कानून बनाया गया और ऐसे मामलों के निपटारे के लिए विशेष कोर्ट का भी गठन किया गया। राज्य में इस तरह के 29 मामले सामने आए थे।

स्थानीय लोगों बनवाया था मंदिर

सती कांड में 4 सितंबर 1987 को 18 साल की उम्र में रूप ने पति मालसिंह शेखावत की चिता पर लेटकर खुद को जला लिया था। स्थानीय लोगों ने उनकी मौत के बाद उनका एक मंदिर बनाया।

सीबीआई ने आरजी कर मामले में किए चौंकाने वाले खुलासे

संजय के खिलाफ डीएनए रिपोर्ट समेत 11 सबूत मिले

एजेंसी ▶▶कोलकाता

यहां आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ हुई भयावह घटना को लेकर आज भी न्याय और कार्यस्थल की सुरक्षा की मांग को लेकर जूनियर डॉक्टर सड़कों पर हैं।

इन सबके बीच करीब दो महीने की जांच के बाद सीबीआई ने पहला आरोप पत्र अदालत में पेश की। इस आरोप पत्र में गिरफ्तार कोलकाता पुलिस के नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय के खिलाफ डीएनए और रक्त के नमूनों की रिपोर्ट जैसे 11 सबूत पेश किए हैं।

सीबीआई ने पहला आरोप पत्र पेश किया

सीबीआई ने गैंगरेप को खारिज कर दिया

दरअसल, आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर रेप व मर्डर केस में सीबीआई ने भी आखिरकार कोलकाता पुलिस की थ्योरी पर मुहर लगा दी। अदालत में दाखिल किए गए आरोप पत्र में सीबीआई ने गैंगरेप को खारिज कर दिया है। केंद्रीय एजेंसी ने साफ कहा कि आरोपी संजय राय एकमात्र आरोपी है।

यह है मामला

9 अगस्त की वो भयावह सुबह कोई नहीं भूल सकता, जब कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर की लाश मिली थी। जब मामला विवादों में आया, तो पता चला कि डॉक्टर के साथ दुष्कर्म हुआ था। यह मामला हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और फिर सीबीआई को इसकी जांच सौंप दी गई। घटना के लगभग दो महीने बाद महिला डॉक्टर को इंसाफ मिलने की उम्मीद नजर आ रही है। कोलकाता पुलिस ने 10 अगस्त को संजय को गिरफ्तार किया था।

जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन 5वें दिन भी जारी

पश्चिम बंगाल में आरजी कर अस्पताल में रेप और मर्डर मामले में मृतका के लिए न्याय और कार्यस्थल पर सुरक्षा की मांग कर रहे जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन बुधवार को 5वें दिन भी जारी है। चिकित्सक स्निग्धा हाजरा, तनया पांजा और अनुस्तुप मुखोपाध्याय, एसएसकेएम के अर्नब मुखोपाध्याय, एनआरएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पुलस्थ आचार्य और केपीसी मेडिकल कॉलेज की सायंतनी घोष हाजरा शनिवार शाम से आमरण अनशन पर हैं और रविवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अनिकेत महतो भी उनके साथ शामिल हो गए। कूचबिहार मेडिकल कॉलेज के दो अन्य कनिष्ठ चिकित्सक भी सहकर्मियों के समर्थन में तीसरे दिन भूख हड़ताल कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)